राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार 30 जून 2024 वर्ष–7,अंक–157 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं का सैलाब, अब तक 10 लाख ने किए दर्शन

देहरादून। (एजेंसी)

उत्तराखंड में स्थित बाबा केदारनाथ धाम के दर्शन के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा है। मानसून के दस्तक देने के बावजूद हजारों की संख्या में भक्त यहां पहुंच रहे हैं। 10 मई से शुरू हुई यात्रा में अब तक 10 लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा के दर्शन कर चुके हैं। पिछले साल की अपेक्षा इस बार बाबा की यात्रा देर से शुरू हुई, इसके बाद भी भक्तों की संख्या में कोई कमी नहीं आई है। पहले दिन से ही आस्था का सैलाब केदारपुरी में देखने को मिल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक कपाट खुलने के

पहले दिन 20 हजार से ज्यादा श्रद्धालु इसके साक्षी बने थे। यात्रा के संपन्न होने में अभी भी चार महीने का समय बचा हुआ है। ऐसे में बताया जा रहा है कि अंत तक धाम के दर्शन करने वाले भक्तों की संख्या 25 लाख के पार पहुंच सकती है। यात्रियों को किसी भी प्रकार की कोई समस्या न हो, इसका जिला प्रशासन पूरा ध्यान रख रहा है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उनके ठहरने के लिए व्यवस्था की गई है। पैदल मार्ग और धाम में रेन शेल्टर बनाए गए हैं। ट्रैफिक जाम से निजात पाने के लिए जगह-जगह पर बैरिकेडिंग भी की गई है। सुरक्षा के मद्देनजर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। इस बार यात्रा में मुख्य बात यह है कि पशुओं का भी खास ख्याल रखा जा रहा है। यात्रा मार्ग पर चलने वाले घोड़े-खच्चरों के आराम के लिए टिन शेड बनाया गया है। पहले इन पशुओं के आराम के लिए कोई व्यवस्था नहीं थी।

बरसाना में नाक रगड़कर माफी मांगी पं. प्रदीप मिश्रा ने

-कृष्ण के बजाय किसी और को बताया था राधा का पति

मथुरा। (एजेंसी)

कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने राधा-रानी के जन्म और विवाह से जुड़े अपने बयान पर माफी मांग ली। वे शनिवार की दोपहर बरसाना पहुंचे। राधा रानी मंदिर में नाक रगड़कर माफी मांगी। दंडवत प्रणाम किया। इसके बाद मंदिर से बाहर निकले। हाथ जोड़कर ब्रज वासियों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि मैं ब्रजवासियों के प्रेम की वजह से यहां आया हूं। लाडली जी ने खुद ही इशारा कर मुझे यहां बुलाया। मेरी वाणी से किसी को ठेस पहुंची है, तो उसके लिए माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा कि ब्रजवासियों के चरणों में दंडवत माफी मांगता हूं। मैं लाडली जी और बरसाना सरकार से क्षमा चाहता हूं। सभी से निवेदन है कि किसी के लिए कोई अपशब्द न कहें। राधे-राधे कहें, महादेव कहें। मैं सभी महंत, धर्माचार्य और आचार्य से माफी मांगता हूं।

राधा जी बरसाना की नहीं, रावल की थीं

पंडित प्रदीप मिश्रा ने 9 जून को ओंकारेश्वर में विवादित बयान दिया था। कथा के पहले दिन प्रवचन के दौरान उन्होंने कहा था, राधा-रानी का नाम भगवान श्रीकृष्ण की 108 पटरानियों और 1600 रानियों में नहीं हैं। राधा के पति का नाम अनय घोष, उनकी सास का नाम जटिला और ननद का नाम कुटिला था। राधा जी का विवाह छाता में हुआ था। उन्होंने कहा था, राधा जी बरसाना की नहीं, रावल की रहने वाली थीं। बरसाना में तो राधा जी के पिता की कचहरी थी, जहां वह साल भर में एक बार आती थीं। पंडित प्रदीप मिश्रा का ये प्रवचन वायरल हुआ तो संत, ब्रजधाम में लोगों ने विरोध किया। सबसे तल्ख टिप्पणी आई प्रेमानंद महाराज की तरफ से आई थी। उन्होंने कहा, लाड़ली जी के बारे में तुम्हें पता ही क्या है? तुम जानते ही क्या हो? अगर तुम किसी संत के चरण रज का पान करके बात करते तो तुम्हारे मुख से कभी ऐसी वाणी नहीं निकलती।

पहला कॉलम

अरुणाचल में लगातार बारिश से भूस्खलन, सड़क संपर्क टूटा

ईटानगर।

अरुणाचल प्रदेश के कई जिलों में लगातार बारिश से भूस्खलन के बाद सड़कों से संपर्क टूट गया है। पश्चिम सियांग जिले के आलो से शियोमी जिले में मेचुखा तक की एक प्रमुख सड़क रोइंग और पेने गांव के बीच क्षतिग्रस्त हो गई। शियोमी जिला सूचना और जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। सीमा सड़क संगठन ने सड़क से मलबा हटाने का काम शुरु कर दिया है और मशीनों की मदद ली जा रही। यदि मौसम सही रहा तो शनिवार शाम तक हल्के मोटर वाहनों के लिए सड़क को खोल दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सियांग जिले के तारक गांव के पास पासीघाट-पंगिन-आलो सड़क भी क्षतिग्रस्त हो गई है, जिसके चलते कई वाहन फंस गए हैं। ईटानगर में जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय राजमार्ग-415 के किनारे अवैध निर्माण के खिलाफ एक अभियान चलाया है। इन अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया है जो नालियों को अवरुद्ध कर रहे थे।

लेबनान में बदलते हालात पर .....विदेश मंत्रालय सक्रिय

नई दिल्ली।

लेबनान में बदलते सुरक्षा परिदृश्य के बीच विदेश मंत्रालय ने बताया कि बेरूत में भारतीय दूतावास वहां मौजूद भारतीय नागरिकों के साथ 'लगातार संपर्क' में है और उनके लिए परामर्श भी जारी किया गया है। विदेश मंत्रालय प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक सवाल के जवाब में कहा कि यह परामर्श भारतीयों को बेरूत की यात्रा करने से रोकने वाला यात्रा परामर्श नहीं है। दरअसल कुछ खबरों में दावा किया गया था कि भारत ने अपने नागरिकों के लिए यात्रा परामर्श जारी किया है। उन्होंने कहा, 'बेरूत में हमारे दूतावास ने एक परामर्श जारी किया है। बहुत सारे भारतीय नागरिक वहां रहते हैं, वहां काम करते हैं... वहां पेशेवर हैं। मेरे पास जो जानकारी है, उसके मुताबिक करीब दो-तीन हजार लोग वहां हैं। मंत्रालय ने कोई यात्रा परामर्श जारी नहीं किया है। परामर्श में सिर्फ इतना कहा है कि उन्हें दूतावास के संपर्क में रहना चाहिए, ताकि अगर कोई घटना हो, तब हम जल्द से जल्द कार्रवाई कर सकें।'' लेबनान की सीमा दक्षिण में इजराइल से लगती है। दूतावास ने अपने परामर्श में लिखा, ''लेबनान में वर्तमान स्थिति को देखकर लेबनान में सभी भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे सावधानी बरतें और हमारे ईमेल या आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से बेरूत में भारतीय दूतावास के संपर्क में रहें।

नकारा कर्मचारियों और अधिकारियों को बाहर का रास्ता दिखाएगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने अपने सभी मंत्रालयों को परिपत्र जारी किया है। जुलाई माह से हर महीने की 15 तारीख को नकारा कर्मचारियों और अधिकारियों की सूची भेजने के लिए कहा है। निर्देशों का पालन नहीं करने और समय पर कार्य नहीं करने पर, हर माह उनके नाम सूची में शामिल कर भेजने के लिए निर्देश जारी किए हैं। ऐसे नकारा कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के पहले कंपलसरी रिटायरमेंट की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। 27 जून को कार्मिक मंत्रालय द्वारा सभी मंत्रालयों को परिपत्र भेजा गया है। हर माह कर्मचारियों की समीक्षा करने के निर्देश तभी मंत्रालयों को दिए गए हैं। हर माह की 15 तारीख को कार्मिक मंत्रालय में सूची भेजने का निर्देश विभागाध्यक्षों को दिया गया है।

तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट.....4 की मौत

चेन्नई ।

तमिलनाडु के विरुधुनगर में एक पटाखा निर्माण इकाई में विस्फोट के बाद 4 श्रमिकों की मौत हुई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि विस्फोट और आग लगने का कारण पटाखा बनाने में रासायनिक पदार्थों का गलत तरीके से इस्तेमाल होना बताया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इकाई के नजदीक मौजूद एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। उन्होंने बताया कि पटाखा निर्माण इकाई की इमारत को भी इस घटना में नुकसान पहुंचा है।

कम कार्बन उत्सर्जन, मोदी सरकार की पहल को मदद देगा विश्व बैंक

1.5 अरब डॉलर के ऋण को मंजूरी दी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

विश्व बैंक ने कम कार्बन उत्सर्जन वाले ऊर्जा उत्पादन के विकास में तेजी लाने के तहत दूसरे ऑपरेशन के तहत भारत को 1.5 अरब डॉलर के ऋण को मंजूरी दी है। विश्व बैंक ने बताया कि 'लो-कार्बन एनर्जी प्रोग्रामेटिक डेवलपमेंट पॉलिसी ऑपरेशन' का दूसरा चरण ग्रीन हाइड्रोजन और इलेक्ट्रोलाइजर के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सुधारों में मददगार होगा, जो ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण तकनीक है।

यह ऑपरेशन सरकार की ऊर्जा सुरक्षा और विश्व बैंक की हाइड्रोजन फॉर डेवलपमेंट (एच4डी) भागीदारी के अनुरूप है। विश्व बैंक के अनुसार,सुधारों के परिणाम स्वरूप वित्त वर्ष 2025-26 से प्रति वर्ष करीब 4,50,000 टन ग्रीन हाइड्रोजन और 1,500 मेगावाट इलेक्ट्रोलाइजर का उत्पादन होने की उम्मीद है। इसके अलावा, यह अक्षय ऊर्जा क्षमता को बढ़ाने और कार्बन उत्सर्जन में प्रति वर्ष पांच करोड़ टन कमी लाने में भी महत्वपूर्ण रूप से मदद करेगा। यह ऑपरेशन राष्ट्रीय कार्बन क्रेडिट बाजार को विकसित करने में समर्थन करेगा। भारत में विश्व बैंक के निदेशक ऑगस्त तानो कुआमे ने कहा, विश्व बैंक को भारत की लो-कार्बन विकास रणनीति का समर्थन जारी रखने की प्रसन्नता है, जो देश के शुद्ध-शून्य लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगा और निजी क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में नौकरियां पैदा करेगा। ऑपरेशन के लिए टीम लीडर की भूमिका निभाने वाले ऑरेलियन क्रूस, शियाओडोंग वांग और सुरभि गोयल ने कहा, भारत ने ग्रीन हाइड्रोजन के लिए घरेलू बाज़ार विकसित करने के लिए साहसिक कदम उठाए हैं, जो तेजी से विस्तारित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता पर आधारित है। विश्व बैंक ने जून 2023 में 1.5 अरब डॉलर के पहले ऑपरेशन को मंजूरी दी थी, जिसमें ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं में नवीकरणीय ऊर्जा के लिए ट्रांसमिशन शुल्क की छूट, सालाना 50 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा निविदाएं शुरू करने के लिए एक स्पष्ट राह तैयार करना और राष्ट्रीय कार्बन क्रेडिट बाजार के लिए एक कानूनी ढांचा बनाना शामिल है।

कोर्ट का आदेश, 6 जुलाई को हाजिर हो.....राहुल गांधी

रांची (एजेंसी)।

मोदी सरनेम को लेकर कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को रांची के एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में हाजिर होना होगा। कोर्ट ने केस में चार्ज फ्रेम करने पर बहस के लिए 6 जुलाई की तारीख तय की है। कानूनी प्रावधानों के अनुसार, इस दौरान बयान दर्ज कराने के लिए कोर्ट में राहुल गांधी की निजी तौर पर उपस्थिति जरूरी होगी। यह केस रांची के लालपुर निवासी एडवोकेट प्रदीप मोदी ने 23 अप्रैल 2019 को दर्ज कराया था। सिविल कोर्ट में दर्ज शिकायत के अनुसार,राहुल गांधी ने रांची में चुनावी सभा में कहा था कि मोदी सरनेम वाले सभी लोग चोर होते हैं। शिकायत में कहा गया है कि राहुल गांधी की इस टिप्पणी से पूरा मोदी समाज आहत हुआ है। इसकारण उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। रांची सिविल कोर्ट ने मामले को 30 सितंबर 2021 को एमपी एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया। इसके बाद कोर्ट ने राहुल के खिलाफ समन जारी किया। इस पर राहुल ने याचिका दाखिल कर उपस्थिति से छूट मांगी, जिसे सुनवाई के बाद अदालत ने पहले ही खारिज कर दिया है।

सोनिया गांधी का पीएम मोदी पर हमला, सहमति की बात करते है.....टकराव के रास्ते पर

नई दिल्ली। (एजेंसी)

18वीं लोकसभा का गठन हो चुका है। इस बार जहां संसद में सत्ता पक्ष पहले से कुछ कमजोर हुआ है, वहीं विपक्ष मजबूत हुआ है। अब इसका असर लोकसभा सत्र के दौरान दिख रहा है। हालांकि मोदी सरकार के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विपक्ष पर हमलावर हैं। लेकिन विपक्ष भी नीट पेपर लीक पर मोदी सरकार की घेराबंदी में जुटा है। पीएम मोदी के आपातकाल के जिक्र के बाद फिर राजनीतिक भूचाल आ गया है। इस बीच कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लेख लिखकर मोदी सरकार पर जमकर सवाल उठाया है। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने लेख में कहा कि '2024 के चुनाव में पीएम की व्यक्तिगत, राजनीतिक और नैतिक हार हुई है। पीएम मोदी सहमति की बात करते हैं लेकिन टकराव का रास्ता अख्तियार करते हैं। सोनिया गांधी ने लिखा है मोदी सरकार की ओर से जब विपक्ष से स्पीकर चुनाव में समर्थन की मांग की गई, तब परंपरा के मुताबिक उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को मिलना चाहिए, लेकिन सरकार ने हमारी मांग नहीं मानी। बल्कि पीएम मोदी ने इमरजेंसी का जिक्र कर आश्चर्यजनक रूप से स्पीकर ने भी ध्यान भटकने के लिए वही किया। सोनिया ने अपने लेख में लिखा नीट घोटाले पर, जिसने हमारे लाखों युवाओं के जीवन पर कहर बरपाया है, केंद्रीय शिक्षा मंत्री की तत्काल प्रतिक्रिया यह थी कि जो कुछ हुआ है, उसकी गंभीरता को नकार दिया जाए। पीएम मोदी जो अपनी 'परीक्षा पे चर्चा' करते हैं, वे देश भर में इतने सारे परिवारों को तबाह करने वाली लीक पर स्पष्ट रूप से चुप हैं। उन्होंने लिखा इस बीच, भारत के अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और धमकी का अभियान एक बार फिर तेज हो गया है। सोनिया गांधी ने लेख में लिखा मणिपुर जलता रहा लेकिन प्रधानमंत्री वहां जाने का समय नहीं निकाल सके। प्रधानमंत्री के 400 पार के नारे को जनता ने रिजेक्ट किया इस पर उन्हें आत्म विश्लेषण करना चाहिए।

नीतीश का ऐलान, अब हमेशा एनडीए गठबंधन का रहेंगे हिस्सा

-जेडीयू ने सांसद संजय झा को बनाया पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष

पटना। (एजेंसी)

बिहार में सत्तारुढ़ गठबंधन का नेतृत्व कर रहे जनता दल युनाइटेड ने आज अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में अहम फैसले लिए। बिहार के सीएम और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि सांसद संजय झा पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष होंगे। इसके अलावा पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के समक्ष नीतीश कुमार ने ऐलान किया कि वह अब हमेशा एनडीए गठबंधन का हिस्सा रहेंगे। माना जा रहा है कि नीतीश के इस ऐलान से उन अटकलों पर विराम लग गया है जिसमें दावा किया जा रहा था कि वह दोबारा इंडिया गठबंधन में लौटने की राह तलाश रहे हैं। बैठक के बाद पार्टी प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सामने घोषणा की है कि अब वे हमेशा एनडीए गठबंधन का हिस्सा रहेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार हाईकोर्ट द्वारा रोके गए आरक्षण को लेकर हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। उन्होंने यह कहा कि राज्यसभा सांसद संजय झा को पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी का अध्यक्ष बनाया गया है। पार्टी ने बिहार को विशेष दर्जा या विशेष वित्तीय पैकेज देने की केंद्र सरकार से मांग की है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि जद (यू) ने पेपर लीक मामले के आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और परीक्षा में गड़बड़ी रोकने के लिए संसद में कठोर कानून बनाने की भी मांग की है। बता दें कि दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी के सभी सांसद, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, रामनाथ ठाकुर बिहार और अन्य राज्यों के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इस बैठक में हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों के विश्लेषण के साथ ही 2025 में होने वाले विधानसभा चुनावों की रणनीति समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई।

हादसा -दौलत बेग ओल्डी इलाके में टैंक अभ्यास करते समय हुआ हादसा

लद्दाख में एलएसी के पास अचानक नदी का जलस्तर बढ़ने से पांच जवान शहीद

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

लद्दाख के दौलत बेग ओल्डी में देर रात एक दुखद दुर्घटना घटी। रात 3 बजे टैंक अभ्यास के दौरान नदी पार करते समय अचानक नदी का जलस्तर बढ़ गया जिसमें सेना के जवान फंस गए। इस हादसे में सेना के पांच जवान शहीद हो गए हैं और एक जवान को बचा लिया गया। दरअसल शुक्रवार-शनिवार की रात में दौलत बेग ओल्डी में टैंक अभ्यास चल रहा था और सेना के कई टैंक यहां मौजूद थे। इस दौरान एलएसी के पास एक टी-72 टैंक ने रात में नदी कैसे पार की जाती है इसका अभ्यास चल रहा था। रक्षा अधिकारी ने बताया कि दौलत बेग ओल्डी इलाके में नदी पार करने के अभ्यास के दौरान हुए हादसे में एक जेसीओ और चार जवान समेत भारतीय सेना के पांच जवान शहीद हो गए। सभी पांचों के शव बरामद कर लिए गए हैं। टैंक की बरामदगी की भी कोशिश की जा रही है। सेना इस बात की जांच कर रही है कि अचानक से जलस्तर कैसे बढ़ गया। जिस जगह यह हादसा हुआ वहां पर भारत और चीन के बीच लंबे समय से तनाव बना हुआ है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हादसे पर दुख जताया है। राजनाथ सिंह ने पोस्ट में लिखा, लद्दाख में नदी पार कराते समय हुए हादसे में भारतीय सेना के पांच जवानों की जान जाने से मैं बहुत दुखी हूं। हम देश के लिए अपने वीर जवानों की अनुकरणीय सेवा को कभी नहीं भूलेंगे। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं। दुख की इस घड़ी में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। अभ्यास के दौरान जब एक टैंक नदी को पार करने की कोशिश करने लगा तो अचानक से नदीं का जलस्तर तेज हो गया और टैंक बह गया। बताया जा रहा है कि इस दौरान टैंक में कुल 4-5 जवान सवार थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर लिखा, लद्दाख में एक नदी पार करते समय एक जेसीओ सहित पांच भारतीय सेना के जवान की जान जाने से हम बहुत दुखी हैं। इस घटना के शिकार हुए सेना जवानों के परिवारों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। दुख की इस घड़ी में, पूरा देश हमारे वीर सैनिकों की अनुकरणीय सेवा के लिए उन्हें सलाम करता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बारिश का एक दुख

पहली बारिश में ही दिल्ली का जो हाल हुआ है, वह न केवल चिंताजनक, बल्कि दुखद भी है। जगह-जगह जाम, जल भराव, पेड़ों का गिरना अपनी जगह बहुत गंभीर है, पर सबसे सनसनीखेज घटना नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 पर घटी है। शुक्रवार को भारी बारिश के बीच छत का एक हिस्सा वाहनों पर आ गिरा, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। जब हादसा हुआ, तब बारिश हो रही थी, सुबह करीब 5.30 का समय था, हादसा अकल्पनीय था। बीते मार्च में ही नई दिल्ली के सबसे बड़े हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 का विस्तार किया गया है। इसका विस्तार करने-कराने वालों ने सुंदरता का तो ध्यान रखा, मगर मजबूती सुनिश्चित करना शायद वे भूल गए। इस टर्मिनल से लाखों लोग यात्रा करते हैं, पर रखरखाव में ऐसी लापरवाही अक्षम्य मानी जाए, तो ही न्याय है। एक बार सोचकर जरूर देखना चाहिए कि दुनिया में क्या संदेश गया है? क्या भारत अपने एक सबसे महत्वपूर्ण हवाई अड्डे को भी ढंग से नहीं रख पा रहा है? राजधानी दिल्ली में एयरपोर्ट पर जब यह हाल है, तो बाकी जगहों पर आम लोगों की सुरक्षा को लेकर न जाने कितने सवाल खड़े किए जा सकते हैं? न जाने कितने ऐसे रेलवे स्टेशन, बस अड्डे देश में होंगे, जिन्हें सिर्फ रंग-रोगन करके चमकाया गया होगा? जिम्मेदार अधिकारियों को शर्म आनी चाहिए, उनकी लापरवाही के चलते भ्रष्टाचार का मुद्दा फिर चर्चा में आ गया है? कहीं भवन ढह रहे हैं, तो कहीं पुल गिर रहे हैं, तो कहीं सड़कों पर दरारें पड़ रही हैं? खूब लंबे-चौड़े राष्ट्रीय राजमार्ग बनाना जरूरी है, पर शहरों के अंदर की सड़कों का रखरखाव कौन करेगा? दिल्ली में केवल दो घंटे की बारिश के बाद अंडरपास और अंडर ब्रिज में पानी भर जाना क्या हमारी अक्षम नौकरशाही की ओर इशारा नहीं है? नौकरशाहों को भला कैसे निर्दोष मान लिया जाए और अगर उन्हें निर्दोष मान लिया जाए, तो फिर दोषी कौन है? यह शर्मनाक बात है कि राष्ट्रीय राजधानी में स्थित मिंटो ब्रिज दशकों से लोगों को रुलाता आ रहा है, वहां से तमाम नेताओं, अफसरों, रसूखदारों की गाड़ियां गुजरती हैं, पर क्या मजाल कि मिंटो ब्रिज इलाके में पानी न भरे? देश में ऐसे न जाने कितने स्थान हैं, जिनके बारे में यह मान लिया गया है कि यहां तो जल भराव एक सालाना आयोजन है। साल में दस-पंद्रह दिन जल भराव होगा, तो इस समस्या के समाधान के लिए क्या जहमत उठाएं? क्या हम अपने देश में नागरिक सुरक्षा से समझौता कर रहे हैं? क्या अपने देश में लोगों की जिंदगी को बहुमूल्य माना जाता है? इस बार भी उदारता से मुआवजा दे दिया जाएगा, पर पुख्ता समाधान व सुरक्षा के इंतजाम के प्रति लापरवाही बरती जाएगी? यह दोषारोपण करने या आंखें चुराने का नहीं, बल्कि कमियों से दो-दो हाथ करने का वक्त है। सुविधाओं का विस्तार जरूरी है, लेकिन उनकी गुणवत्ता भी काबिले-गौर होनी चाहिए। गुणवत्ता या कानून से समझौता करने की इजाजत किसी को भी नहीं है। देश की अर्थव्यवस्था गतिवान है, वस्तुओं और सेवाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है, पर अगर हम अपने नागरिकों की कद्र नहीं बढ़ाएंगे, तो वास्तव में विकास को ही अंगूठा दिखाएंगे। दुनिया के अच्छे देशों से सीखते हुए सुधार की जरूरत है, ताकि हमारा बेहद चमकदार होता बुनियादी ढांचा हमारे माथे पर ही न गिरने लगे और हम आश्वस्त होकर सिर उठाए चल सकें।

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

नीट पेपर से लेकर छतों तक लीक ही लीक

(लेखक - राकेश अचल)

7 हम जब बच्चे थे तब जिस लीक के बारे में जानते थे,वो आजकल के पेपर लीक और छत लीक से एकदम अलग थी । अंग्रेजी की लीक और हिंदी की लीक में जमीन - आसमान का अंतर होता है । अंग्रेजी की लीक को हमारे यहां हिंदी में ही नहीं बल्कि बुंदेलखंडी में भी टपकना या चूना कहते है । हमारे यहां लीक का दूसरा अर्थ पगडण्डी भी होता है और एक अर्थ सिर में पड़ने वाले जुओं के बच्चे भी होते हैं। ये सफेद रंग के होते हैं। कहावत है कि-

लीक लीक कायर चले और लीक चले कपूत,
लीक छोड़ तीन ही चलें शायर, सिंह , सपूत।

आज दुर्भाग्य से कहिये या सौभाग्य से लीक यानि लीकेज एक राष्ट्रीय समस्या है । सड़क से लेकर संसद तक इस लीक की चर्चा हो रही है। लेकिन संसद में लीक पर चर्चा की इजाजत देने के बजाय बहस की मांग करने वाले विपक्ष के नेता का माइक तक बंद किया जाने लगा है। अर्थात अभिव्यति की स्वतंत्रता या अधिकार का गला घोंटा जा रहा है। गला घोंटना एक जुलाई से लागू होने वाली भारतीय न्याय संहिता के तहत तहत किस धारा में अपराध होता है ये अभी मुझे पता नहीं ,क्योंकि मैंने जो संहिता अपने पाठ्यक्रम में पढ़ी थी वो भारतीय दंड संहिता थी।

सबसे पहले अयोध्या में नव निर्मित राम मंदिर की छत से होने वाली लीकेज की बात की जाये । चूंकि हम अयोध्या से सैकड़ों किमी दूर बैठे हैं इसलिए हमें सच्चाई का पता नहीं है, लेकिन जो तस्वीरें वायरल हुईं हैं उनकी बिना पर हम कह रहे हैं कि राम जी के मंदिर की छत लीक हो रही है । लेकिन मंदिर के ट्रस्टी कह रहे हैं कि -ये अफवाह है। अब हम तस्वीरों को सही मानें या ट्रस्टियों की बात को ये भी हमें पता नहीं है कि इन दोनों में से कौन सा साक्ष्य नए साक्ष्य संहिता की किस धारा के तहत आता है ?

वैसे अयोध्या में राम मंदिर के लीकेज से पहले यहां भाजपा की छत में भी लीकेज हुआ है और राम जी ने इसकी सजा भाजपा को यानी मंदिर निर्माण करने वाली राष्ट्रहितैषी पार्टी को चुनाव हारकर दे दी है। ये बात और है की भाजपा इस सजा को भी राम जी का प्रसाद और अनुकम्पा मानती है। ये भाजपा की और चम्पत राय की दरियादिली है। आजकल की अदावत की राजनीति में दरियादिली की सख्त जरूरत है। विपक्ष ने भी लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में मतदान न कराकर दरियादिली का मुजाहिरा किया ही है।

अयोध्या से यदि आप दिल्ली आएं तो यहां अंतर्राष्ट्रीय इंदिरा गाँधी हवाई अड्डे पर टर्मिनल -1 की छत लीक हो रही है और पार्किंग की छत तो टपक ही गयी। मेरा मानना है कि इसके लिए इंदिरा गाँधी ही जिम्मेदार निकलेंगी । यदि उनके नाम की वजाय ये हवाई अड्डा किसी भाजपा नेता के नाम पर होता तो शायद न छत लीक होती और न छत टपकती। वैसे पीने के पानी को लेकर हाय ! हाय !! कर रही पूरी दिल्ली ही इस समय लीक हो रही है । आम आदमी से लेकर ख़ास आदमियों के घर में पानी घुस चुका है । सड़कें यमुना की सगी बहनों की तरह सड़कों पर बह रही है। किसी की क्या मजाल की कोई इस पानी को रोक सके । पानी को रोकने के लिए तो कोई स्विच भी नहीं होता अन्यथा सरकार ओम बिरला ने जिस तरह से राहुल गांधी की बोलती बंद कर दी ठीक उसी तरह पानी की बोलती भी बंद करा देती।

लीकेज और टपका-टपकी केवल दिल्ली का ही मसला नहीं है। हमारे मध्यप्रदेश में जहां डबल इंजिन की सरकार है वहां भी जबलपुर में हवाई अड्डे का पोर्च एक कर के ऊपर आ गिरा। कार का कचूमर निकल गया ठीक उसी तरह जिस तरह देश की जनता का कचूमर पिछले एक दशक से निकल रहा है और जनता है कि मुस्कराये जा रही है ,फिर से पुरानी सरकार को सत्तारूढ़ देखकर। अब जबलपुर में हवाई अड्डे का पोर्च टपकने के लिए हमारे पहलवान मुख्यमंत्री डॉमोहन यादव को तो जिम्मेदार ठहराया नहीं जा सकता । इसके लिए तो पूर्व के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को ही दोषी माना जाना चाहिए ,लेकिन कर-चोर मौसेरे भाई होते है। कौन -किसे जिम्मेदार ठहराए इसको लेकर भी विवाद खड़ा हो सकता है।

अब आइये बिहार चलते हैं। यहां नालंदा विश्व विद्यालय को नव जीवन दिया गया है। यहां से ही नीट का पेपर लीक हुआ है जो हमारी मोशा सरकार के गले की हड्डी बन गया है। चूंकि बिहार सरकार की बैशाखी पर मोशा की सरकार टिकी है इसलिए नीट पेपर लीक को लेकर सरकार संसद में बहस करने से कन्नी काट रही है। कन्नी होती ही काटने के लिए है। बिहार में पेपर ही लीक नहीं होते बल्कि पूरे के पूरे पुल ही बह जाते है। अभी तक तीन-चार पुल तो बह चुके हैं। अब भाजपा और जेडीयू के बीच जो नया पुल बना है वो कितने दिन टिकेगा इसकी गारंटी कोई नहीं दे सकता। माननीय गारंटी महोदय भी नहीं। बिहार का और गारंटी का कोई रिश्ता नहीं है। बिहार न नीतीश कुमार की गारंटी दे सकता है और न तेजस्वी यादव की। चिराग पासवान हों या जीतन माझी। कोई भी गारंटी देने का खतरा मोल नहीं ले सकते। पता नहीं कब,किसे ,किसके साथ खड़ा होना पड़े ?

वैसे लीकेज सचमुच है ही विश्वव्यापी समस्य । आपको याद है न कि एक विकीलीक्स हुआ करती है ,जो दुनिया भर की सरकारों के बारे में न जाने क्या-क्या लीक करती रहती है। विकिलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे हैं। वे अक्सर जेल आते-जाते रहते हैं। पिछले दिनों अमेरिका ने उन्हें अपनी जेल से रिहा कर दिया। अमेरिकी न्याय विभाग के साथ हुई डील के बाद उन्हें लंदन की हाई सिक्योरिटी जेल से छोड़ दिया गया है। रिहाई के बाद असांजे अपने मूल देश ऑस्ट्रेलिया चले गए। लेकिन हमारे देश में किसी भी लिक्बाज को न पकड़ा जाता है और न सजा होती है ,क्योंकि हमारे यहां लीक करना एक कुटीर उद्योग है। ये यूपी,बिहार,मध्यप्रदेश,राजस्थान ही नहीं बल्कि दिल्ली तक में बाकायदा सरकारी संरक्षण में पनपता है ,भले ही सरकार कांग्रेस की हो या भाजपा की। लीकेज का धंधा बिना सरकारी सांरक्षण के चल ही नहीं पाता ,लेकिन इस हकीकत को हमारी संसद सुनना नहीं छति और सरकार स्वीकार करना नहीं चाहती।

मेरा तो मशवरा है कि न सिर्फ केंद्र में बल्कि राज्य में लीकेज की समस्या को देखते हुए एक पृथक मंत्रालय की स्थापना कर देना चाहिए। एक अलग मंत्री लीकेज के मामले को देखे । रोज-रोक सीबीआई कहाँ तक लीकेज के मामले दिखेगी ? सीबीआई के पास विपक्षियों की धर-पकड़ का इससे ज्यादा महत्वपूर्ण काम पहले से ही है। मै तो कहता हूँ कि उन्हें भी लीकेज के मामले में संसद पर बहस करने पर जोर नहीं देना चाहिए,उन्हें सड़कों पर उत्तर कर पीड़ितों के बीच खड़े होकर संसद के बाहर लीक काण्ड पर बहस करना चाहिए। संसद भीतर की बहस से नहीं बल्कि बाहर होने वाली बहस से हिलती है। भीतर तो उनका माइक सरकार बंद करा सकती है किन्तु बाहर ऐसा करना सरकार के लिए भी मुमकिन नहीं है।

आपकी हो या न हो किन्तु मेरी स्पष्ट धारणा है कि देश की संसद हो या सरकार ,पुल हो या हवाई अड्डा,परीक्षा हो या चुनाव सबके सब लीक प्रूफ होना चाहिए। लीकेज को राष्ट्रीय उद्योग न बनाकर राष्ट्रीय अपराध बनाया जाना चाहिए। वैसे केंद्र और राज्य सरकारों ने ऐसे कानून एहतियात के तौर पर बनाये हैं ,सरकार चाहे तो इन लीकबाजों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता,भारतीय साक्ष्य संहिता में भी तरमीम कर सकती है और इसके आरोपियों के खिलाफ बुलडोजरों का इस्तेमाल भी कर सकती है ,लेकिन मुझे पता है कि ऐसा करने के लिए चार सौ पार वाली सरकार चाहिए। 240 पार वाली सरकार ये सब नहीं कर सकती। बहरहाल हम देश के नौजवानों के लिए प्रार्थना ही कर सकते हैं कि उनकी परीक्षाओं के पेपर लीक न हों । हम देश के हवाई अड्डों ,पुलों, मंदिरों और नई नवेली संसद के लिए भी प्रार्थना ही कर सकते हैं कि वे न लीक हों और न टपकें और न बहें। हम नहीं जानते कि प्रार्थनाओं में कितना दम होता है ,लेकिन हमें इसके अलावा कुछ और आता ही कहाँ है ?

आज़ादी के बाद से लोकसभा अध्यक्ष का निवास

शताब्दी वर्ष में 20 अकबर रोड/ विवेक शुक्ला

ओम बिरला दूसरी बार लोकसभा के अध्यक्ष निर्वाचित हो गए हैं। इस तरह उनका राजधानी के 20 अकबर रोड पर ही सरकारी आवास रहेगा। पहली लोकसभा के 1952 में गठन के साथ ही जामुन और अमलतास के पेड़ों से लबरेज अकबर रोड के 20 नंबर के बंगले का भारतीय संसद के निचले सदन से अटूट संबंध कायम हो गया था। वो रिश्ता अब भी बना हुआ है। दरअसल, 1952 में कांग्रेस के गणेश वासुदेव मावलंकर लोकसभा के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए थे। मावलंकर जी को 20 अकबर रोड का बंगला आवंटित हुआ। उसके बाद इसी डबल स्टोरी बंगले में लोकसभा अध्यक्ष रहते रहे। मावलंकर जी के 1956 में निधन के बाद शेष कार्यकाल के लिए उनके स्थान पर कांग्रेस के ही अनंतशयनम अयंगार से लेकर ओम बिरला 20 अकबर रोड में ही रहे। लुटियन जोन में गिनती के ही सरकारी बंगले डबल स्टोरी हैं। उनमें एक यह भी है। इसका निर्माण 1925 तक हो गया था। यानी इसे बने हुए अब लगभग 100 वर्ष होने जा रहे हैं। इस बीच, ये बताना मुनासिब होगा कि 10 राजाजी मार्ग (पहले हेस्टिंग रोड) का बंगला भी डबल स्टोरी है। इसी बंगले में दो पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम और प्रणब कुमार मुखर्जी भी रहे।

अगर इतिहास के पन्नों को खंगालें तो पता चलेगा कि 20 अकबर रोड में सरदार हुकुम सिंह, नीलम संजीव रेड्डी, बलराम जाखड़, रवि राय, शिवराज पाटिल, पी.ए. संगमा, जीएमसी बालयोगी, मीरा कुमार और सुमित्रा महाजन भी रहे। इन सबने लोकसभा स्पीकर के पद को सुशोभित किया। 12वीं लोकसभा के अध्यक्ष बालयोगी का इसी 20 अकबर रोड में रहते हुए निधन हुआ था। वे देश के पहले दलित समुदाय से लोकसभा अध्यक्ष बने थे।

बलराम जाखड़ को 22 जनवरी, 1980 को लोकसभा का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। यद्यपि जाखड़ को पीठासीन अधिकारी के रूप में पिछला कोई अनुभव नहीं था, तथापि उन्हें सौंपी गई नई भूमिका के बहुत बड़े उत्तरदायित्व से वह बिल्कुल भी विचलित नहीं हुए। जाखड़ ने सातवीं लोकसभा में सदन की कार्यवाही का जिस तरीके से संचालन किया, उसकी सर्वत्र सराहना की गई और वह सभा के सभी वर्गों के प्रिय बन गए। इसलिए, दिसम्बर, 1984 के आम चुनाव में उनके राजस्थान के सीकर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए पुनः निर्वाचित होने पर वे नई सभा की भी अध्यक्षता करने के लिए स्वाभाविक पसंद बने। सोलह जनवरी, 1985 को उन्हें एक बार फिर सर्वसम्मति से आठवीं लोकसभा का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। दिसम्बर, 1989 में आठवीं लोकसभा का कार्यकाल पूरा होने पर जब जाखड़ ने अध्यक्ष पद का त्याग किया तो उन्हें स्वतंत्र भारत में लगातार दो बार लोकसभा की पूर्ण अवधि के लिए बने रहने वाले एक मात्र अध्यक्ष का अनूठा गौरव प्राप्त हुआ। यह अवधि (अर्थात् 22 जनवरी, 1980 से 18 दिसम्बर, 1989 तक) एक दशक से मात्र एक माह कम थी। अब ओम बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा के अध्यक्ष बने हैं। इस तरह वो जाखड़ के बाद लोकसभा का अध्यक्ष बनने वाले दूसरे राजनेता बन गए हैं।

इस बीच, सुमित्रा महाजन 20 अकबर रोड में रहते हुए सांसदों के लिए भोज की मेजबानी करती रहती थीं। उनकी दावतों में मेहमान मेंगो रबड़ी, रबड़ी मालपुआ, श्रीखंड, भुट्टे का खास व्यंजन, साबूदाना खिचड़ी, मूंग दाल कचौरी, कैरी पना और ठंडाई के अलावा अन्य व्यंजनों का आनंद लेते थे। कहते हैं, सुमित्रा महाजन युवा सांसदों से विशेष रूप मिला करती थीं ताकि उन्हें संसद की कार्यवाही के संबंध में विस्तार से जानकारी दे सकें।

20 अकबर रोड के बंगले में बदलते वक्त के साथ बहुत से बदलाव भी हुए। उदाहरण के रूप में इसमें 1978 में लिफ्ट लगाई गई थी। उस दौर में इसमें लोकसभा के अध्यक्ष के.ए. हेगड़े रहा करते थे। इसके बेडरूम पहली मंजिल में हैं। उनकी सेहत को देखते हुए लिफ्ट लगाई गई थी। यह आठ बेडरूम का बंगला है। इससे पहले शायद ही किसी बंगले में लिफ्ट लगी हो। 20 अकबर रोड के बंगले के आगे-पीछे बड़े से बगीचे हैं। उनमें भांति-भांति के पौधे और फूल लगे हुए हैं। बंगले के पिछले वाले हिस्से में सेवकों के घर भी हैं।

दरअसल, अकबर रोड पर आजादी के बाद से ही सबसे शक्तिशाली और महत्वपूर्ण हस्तियां रहती रही हैं। अकबर रोड का आगाज इंडिया गेट से होता है और यह सड़क रेस कोर्स तक जाती है। करीब पौने तीन किलोमीटर लंबी इस सड़क के दोनों तरफ कुल जमा 26 सरकारी बंगले हैं। इधर कुछ प्राइवेट बंगले भी हैं। अकबर रोड पर ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, उमा भारती, सुरेश प्रभु जैसे शक्तिशाली मंत्री भी रहे हैं। इधर के बंगलों की छतों पर आपको सुबह-शाम मोर मंडराते हुए मिल जाएंगे। संयोग से इसी अकबर रोड के 24 नंबर के बंगले में 1978 से कांग्रेस का मुख्यालय भी चल रहा है। दरअसल, एक जमाने में इस बंगले को बर्मा हाउस भी कहते थे। तब इसमें बर्मा (म्यांमार) की भारत में एंबेसेडर दा खिन केय रहा करती थीं। वो म्यांमार की शिखर नेता आंग सान सू की मां थीं। इसी सड़क पर इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट भी है। इसी अकबर रोड के 12 नंबर के बंगले में विजय लक्ष्मी पंडित रहा करती थीं। वो देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की छोटी बहन थीं। आपको याद होगा कि कुछ समय पहले अकबर रोड का नाम महाराणा प्रताप रोड के नाम करने की भी नाकाम कोशिशें हुई थीं। तब कुछ लोगों ने अकबर रोड के संकेतक पर महाराणा प्रताप रोड का पोस्टर चस्पा कर दिया था। महाराणा प्रताप मेवाड़ के शासक थे और उन्होंने ताउम्र अकबर से लोहा लिया था। बहरहाल, अकबर रोड नाम के फिलहाल बदलने की कोई संभावना नहीं है। इसी तरह से यह भी तय है कि आगे भी 20 अकबर लोकसभा अध्यक्ष का सरकारी आवास रहेगा।

विचार मंथन

हाईकोर्ट से जमानत पर छूटे हैं, निर्दोष साबित नहीं हुए हेमंत सोरेन

(लेखक-सनत जैन)

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। जमानत देते हुए हाईकोर्ट ने कहा, अदालत में जो दस्तावेज ईड़ी द्वारा पेश किए गए हैं, उन दस्तावेजों से कहीं पर भी हेमंत सोरेन दोषी प्रमाणित नहीं होते हैं। भूमि अधिग्रहण और कब्जे के मामले में हेमंत सोरेन की कोई भागीदारी हाईकोर्ट को नहीं मिली। हाईकोर्ट ने जमानत के फैसले में कहा, याचिकाकर्ता को जमानत देने से कोई हानि होने वाली नहीं है। हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में यह भी कहा, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से विवादित 8।.86 एकड़ भूमि के अधिग्रहण, कब्जे और आय से जुड़े होने का कोई प्रमाण ईड़ी प्रस्तुत नहीं कर पाई। 2010 में जब उक्त भूमि का अधिग्रहण किया गया था। उस समय हेमंत सोरेन की सरकार भी नहीं थी। हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में यह भी कहा, ईड़ी ने ऐसा कोई भी प्रमाण पेश नहीं किया, जिससे यह साबित हो, कि याचिकाकर्ता हेमंत सोरेन ने जमीन पर कब्जा किया है। उन्हें कोई आय प्राप्त हुई हो। झारखंड हाईकोर्ट ने प्रथम दृष्टया पीएमएलए एक्ट के तहत कोई मामला नहीं होने के कारण, हेमंत सोरेन को जमानत दी है। लगभग 5 महीने हेमंत सोरेन जेल में बंद रहे। उन्हें मुख्यमंत्री का पद छोड़ना पड़ा। समय-समय पर ईड़ी के समन का सामना करना पड़ा। मुख्यमंत्री होते हुए भी उन्हें बार-बार हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दौड़ना पड़ा। लाखों रुपए उनके और करोड़ों रुपए सरकार के खर्च हुए। कई महीनों तक हेमंत सोरेन को भ्रष्टाचारी और दोषी बताया गया। लोकसभा चुनाव में उन्हें चुनाव प्रचार करने से रोका गया। एक मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें काम करने से रोका गया। जनता ने उन्हें विधायक और मुख्यमंत्री के रूप में चुना था। वह अपने दायित्वों को पूरा नहीं कर पाए। ट्रायल कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के महीनो चक्कर लगाने के बाद भी हेमंत सोरेन जमानत पर वापस आए हैं। हाईकोर्ट ने उन्हें पीएमएलए कानून से निर्दोष घोषित नहीं किया है। पीएमएलए कानून का यह मुकदमा कितने साल तक चलेगा। भगवान ही इसका मालिक है। भारतीय जनता पार्टी और उनके विपक्षी राजनेता हमेशा उन्हें जमानत पर छूटे अपराधी के तौर पर उन पर हमला करते रहेंगे। व्यक्तिगत, राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक तौर पर प्रताड़ित किया जाता रहेगा। जमानत के मामले में हेमंत सोरेन ने ट्रायल कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक के कई चक्कर जमानत पाने में लगा दिए हैं। प्रथम दृष्टया कोई अपराध प्रमाणित नहीं होने के बाद भी उन्हें वर्षों मुकदमा लड़ना पड़ेगा। हेमंत सोरेन राजनीतिक और आर्थिक रूप से समर्थ हैं। मुकदमा लड़ने की उनकी हैसियत भी है। आम आदमी अपना बचाव किस तरह से जांच एजेंसियों के उत्पीड़न से कर पाएगा? जब संविधान ने नागरिकों को जमानत का अधिकार दिया हुआ है। जेल को अपवाद माना गया है। पिछले कुछ वर्षों में जांच एजेंसियों द्वारा पीएमएलए, यूपीए कानून के तहत लोगों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया जाता है। कई वर्षों और कई महीनो तक उन्हें जेल में बंद रखा जाता है। दोनों कानून में न्यायालय द्वारा जमानत नहीं दी जाती है। कई वर्षों तक जांच एजेंसी जांच पूर्ण नहीं करती है। आरोपियों को बिचाराधीन कैदी के रूप में जेल में लंबे समय तक बंद रखा जाता है। मीडिया ट्रायल में आरोपियों की सामाजिक, राजनीतिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचती है। आर्थिक नुकसान अलग होता है। पूरे परिवार पर इसका असर पड़ता है। इस तरह की कार्रवाई पर जब तक जांच एजेंसियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाएगी। इसी तरह से कानून का दुरुपयोग होता रहेगा। सत्ता में बैठे हुए लोग यदि कानून का इस तरह से दुरुपयोग करेंगे। जो प्रमाणित भी हो रहा है। ऐसी स्थिति में जांच एजेंसी के अधिकारियों को जिम्मेदार बनाने की जरूरत है। ताकि वह सत्ता में बैठे हुए राजनेताओं के दबाव में अधिकारों का दुरुपयोग ना कर पाएं। तभी भारतीय संविधान, भारतीय न्याय व्यवस्था, भारतीय सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था को विश्वास योग्य बनाया जा सकता है।

पिछले 20 वर्षों में वित्तीय क्षेत्र पर 20,000 साइबर हमले हुए

मुंबई ।

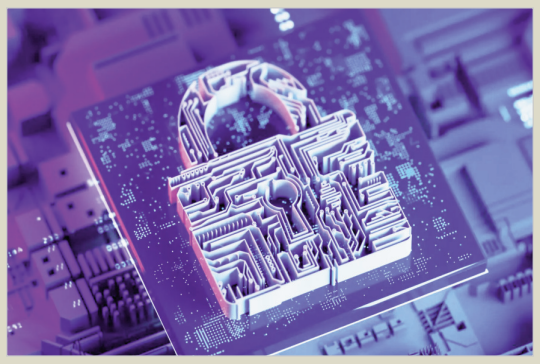

आरबीआई की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के अनुसार पिछले 20 वर्षों में वित्तीय क्षेत्र पर 20,000 से अधिक साइबर हमले हुए, जिसके परिणामस्वरूप 20 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। डेटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया की दिसंबर 2023 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में ऐसे 25 फीसदी हमले ईमेल और वेबसाइटों में दुर्भावनापूर्ण लिंक पर क्लिक करने से होते हैं। आरबीआई की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट का हवाला देते हुए लिखा गया है कि वित्तीय संस्थानों पर साइबर हमलों के 69 प्रतिशत मामले अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) द्वारा, 19 प्रतिशत शहरी सहकारी बैंकों द्वारा और 12 प्रतिशत गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा रिपोर्ट किए गए। इसके कारण बैंकों ने 2023-24 में अपने बीमा कवर को पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 8 फीसदी बढ़ा दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वित्तीय संस्थानों को जारी परामर्श में कहा गया है` कि संभावित साइबर हमलों के संबंध में प्राप्त विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं के मद्देनजर विनियमित संस्थाओं को सलाह दी जाती है कि वे इन खतरों से बचाव के लिए निगरानी और तन्यकता क्षमताओं को उन्नत करें।

नोएडा फिल्म सिटी से 50,000 रोजगार के अवसर मिलेंगः यूपी सरकार

नोएडा ।

उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी परियोजना का निर्माण छह महीने के भीतर शुरू हो सकता है और इससे 50,000 रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इसके अलावा लगभग सात लाख लोग अप्रत्यक्ष रूप से भी लाभान्वित होंगे। फिल्म निर्माता बोनी कपूर और रियल एस्टेट डेवलपर आशीष भूटानी द्वारा समर्थित गठजोड़ बेव्यू प्रोजेक्ट्स ने फिल्म सिटी के विकास के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के उपक्रम यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। बयान के मुताबिक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस महत्वाकांक्षी परियोजना का निर्माण छह महीने के भीतर शुरू हो जाएगा और तीन साल के भीतर यहां फिल्म शूटिंग और संबंधित गतिविधियां भी शुरू हो जाएंगी। सरकार ने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य फिल्म उद्योग में अवसर चाहने वाले राज्य के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना और मुंबई, हैदराबाद और चेन्नई जैसे स्थापित केंद्रों के लिए एक व्यवहार्य विकल्प प्रदान करना है।

बंगाल सरकार सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में दैनिक कामकाजी समय बढ़ाएगी

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल सरकार राज्य में एक जुलाई से दैनिक कामकाजी घंटों की सीमा 30 मिनट बढ़ाने जा रही है। राज्य के आईटी उद्योग मंत्री बाबुल सुप्रियो ने कहा कि प्रदेश सरकार ने इस निर्णय के साथ सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि हालांकि सप्ताह में अधिकतम 48 कामकाजी घंटों की सीमा में कोई बदलाव नहीं होगा। सरकार जल्द ही इस संबंध में आदेश जारी कर सकती है। सुप्रियो ने कहा कि अन्य राज्यों से प्रतिस्पर्धा में तालमेल बनाए रखने और पश्चिम बंगाल के आईटी क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दैनिक कामकाजी समय सीमा को 8.30 घंटे से बदलकर नौ घंटे करने को हरी झंडी दे दी है। उन्होंने कहा` कि साप्ताहिक कामकाजी समय सीमा 48 घंटे ही रहेगी। उद्योग जगत दैनिक कामकाजी समय सीमा बढ़ाने की मांग कर रहा था क्योंकि वे आम तौर पर पांच दिन का कामकाजी सप्ताह अपनाते हैं। यानी कि आईटी क्षेत्र की कंपनियां अपने ग्राहकों को अब 42.5 घंटे के बजाय 45 घंटे का बिल दे सकती हैं। यह जुलाई से प्रभावी होगा।

आरबीआई ने एचएसबीसी पर लगाया 29.6 लाख का जुर्माना

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हांगकांग व शंघाई बैंकिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचएसबीसी) पर 29.6 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। केंद्रीय बैंक ने कहा कि एचएसबीसी पर यह जुर्माना आरबीआई द्वारा बैंकों के क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और रुपया मूल्यवर्गित सह-ब्रांडेड प्रीपेड कार्ड परिचालन पर जारी कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए लगाया गया है। आरबीआई के अनुसार 31 मार्च 2022 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के संदर्भ में उसके द्वारा पर्यवेक्षी मूल्यांकन के लिए वैधानिक निरीक्षण (आईएसई 2022) किया गया। इसमें पाया गया कि आरबीआई के निर्देशों का पालन नहीं किया गया। उस संबंध में संबंधित पत्राचार के आधार पर बैंक को एक नोटिस जारी किया गया था। उसमें बैंक को कारण बताने को कहा गया था और पूछा गया था कि उक्त निर्देशों का पालन करने में विफल रहने के लिए उस पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए। आरबीआई ने कहा कि नोटिस पर बैंक के जवाब, व्यक्तिगत पेशी के दौरान दिए गए मौखिक जवाब और उसके द्वारा दी गई अतिरिक्त जानकारी पर गौर करने के बाद उसने पाया कि अन्य बातों के

साथ-साथ, बैंक के खिलाफ आरोप साबित होते हैं जिसके लिए मौद्रिक जुर्माना लगाया जाना आवश्यक था। इसमें कहा गया कि बैंक यह बताने में विफल रहा कि कुछ क्रेडिट कार्ड खातों में न्यूनतम भुगतान देय की गणना करते समय कोई नकारात्मक परिशोधन नहीं था। हालांकि, आरबीआई ने कहा कि यह जुर्माना वैधानिक तथा नियामकीय अनुपालन में कमियों पर आधारित है। इसका मकसद बैंक द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी लेनदेन या समझौते की वैधता पर सवाल उठाना नहीं है। इसके अलावा मौद्रिक जुर्माना लगाने से आरबीआई द्वारा बैंक के खिलाफ शुरू की जाने वाली किसी भी अन्य कार्रवाई पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

कोयला आयात वृद्धि दर में पिछले दशक में आई गिरावट

नई दिल्ली ।

कोयला आयात में वार्षिक वृद्धि पिछले एक दशक में वित्त वर्ष 2023-24 तक घटकर 2.49 प्रतिशत रह गई है। कोयला मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2004-05 से 2013-14 तक कोयला आयात की संचयी वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) 21.48 प्रतिशत रही। हालांकि 2014-15 से 2023-24 तक कोयला आयात की सीएजीआर केवल 2.49 प्रतिशत रही है। बयान के अनुसार इसके अलावा वित्त वर्ष 2004-05 से 2013-14 की अवधि के दौरान आयातित कोयले की हिस्सेदारी का सीएजीआर 13.94 प्रतिशत था। जबकि पिछले दशक के दौरान यह आंकड़ा गिरकर शून्य से नीचे लगभग 2.29 प्रतिशत हो गया। मंत्रालय ने बयान में कहा कि घरेलू कोयला संसाधनों के अनुकूलन और नवीन तकनीकी समाधानों का लाभ उठाने पर रणनीतिक ध्यान केंद्रित करते हुए देश ऊर्जा सुरक्षा में आत्मनिर्भरता की ओर अपनी यात्रा जारी रख रहा है। बयान के अनुसार विश्व में पांचवें सबसे बड़े कोयला भंडार से संपन्न भारत इस ईंधन का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है।

सरकार की एयरलाइंस को चेतावनी, कहा- न बढ़ाएं किराया

नई दिल्ली ।

बारिश की वजह से इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर हुए बड़े हादसे के बाद सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने एयरलाइंस कंपनियों को ये सुनिश्चित करने को कहा है कि दिल्ली से उड़ान भरने या यहां आने वाले उड़ानों के हवाई किरायों में कोई असामान्य बढ़ोतरी ना हो। एयरपोर्ट के टी-1 पर इंडिगो और स्पाइसजेट की घरेलू फ्लाइट्स का संचालन होता है। टी-1 के बंद होने के कारण कई फ्लाइट्स रद्द कर दी गई हैं और परिचालन को अस्थायी रूप से टी-2 और टी-3 पर स्थानांतरित कर दिया गया है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि विमानन कंपनियों को सलाह दी गई है कि एयरपोर्ट पर हुए इस हादसे के चलते उड़ानों के रद्द करने या रीशेड्यूल करने पर यात्रियों से कोई जुर्माना नहीं वसूला जाएगा। मंत्रालय ने कहा` कि दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद सभी विमानन कंपनियों को सलाह दी जाती है कि वे दिल्ली से आने-जाने वाली फ्लाइट्स के किराए में किसी भी असामान्य वृद्धि पर नजर रखें और इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करें। कैंसिल की गई फ्लाइट्स के रिफंड की निगरानी करने या यात्रियों के लिए वैकल्पिक यात्रा रूट टिकट प्रदान करने के लिए एक वॉर रूम स्थापित किया जाएगा। सभी रिफंड की प्रे क्रिया 7 दिन के भीतर शुरु हो जाएगी।

विदेशी निवेशकों के सहारे बाजार ने बनाया नया रिकॉर्ड

- ▸▸ सेंसेक्स 210 अंकों की गिरावट के साथ 79,032 पर बंद
- ▸▸ निफ्टी 33 अंक फिसलकर 24,010 पर बंद हुआ

मुंबई ।

पिछला सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों के लिए बेहद खास रहा, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के सपोर्ट से बाजार ने नया रिकॉर्ड स्तर बनाया। शेयर बाजार में लगातार चार दिनों दिन जोरदार तेजी रही, शुक्रवार को भी बाजार में अच्छी खासी बढ़त रही ले किन बंद होते ही बाजार रिकॉर्ड स्तर पर फिसलकर बंद हुए। पिछले सप्ताह के शेयर बाजार के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को कमजोर शुरुआत हुई। सेंसेक्स में शुरुआती कारोबार के दौरान 316.10 अंक फिसलकर 76,903.35 पर खुला और 131.18 अंकों की बढ़त के साथ 77,341.08 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 110.85 अंकों की गिरावट के साथ 23,390.25 के स्तर पर खुला और 36.75 अंक मजबूत होकर 23,537.85 के स्तर पर बंद हुआ। मंगलवार के कारोबारी सत्र के दौरान निजी क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में अच्छी मजबूती दिखी। सेंसेक्स 523.54 अंकों की बढ़त के साथ के 77,864.62 स्तर पर खुला और 712 अंकों की बढ़त के साथ 78,053.52 पर बंद हुआ। निफ्टी 131.20 अंक उछलकर 23,669.05 के स्तर पर खुला और 83.46 अंक मजबूत होकर 23,721.30 के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 54.48 अंकों बढ़त के साथ 78,092.65 के स्तर पर खुला और 620.73 अंकों की मजबूती के साथ 78,674.25 पर बंद हुआ। निफ्टी 4.30 अंक चढ़कर 23,725.60 पर खुला और 147.50 अंकों की मजबूती के साथ पहली बार 23,850 का स्तर पार कर 23,868.80 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 124.05 अंक की गिरावट के साथ 78,550.20 अंक पर खुला और 568.93 अंकों की बढ़त के साथ

पहली बार 79,243.18 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 34.00 अंक की नरमी के साथ 23,834.80 पर खुला और 175.71 अंकों की बढ़त के साथ 24,044.50 के स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबारी` दिन सेंसेक्स और निफ्टी मजबूती के साथ नए शिखर पर पहुंच गए। शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 265.46 अंकों की मजबूती के साथ 79,483.72 पर खुला और 210.45 अंकों की गिरावट के साथ 79,032.73 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 78.60 अंक मजबूत होकर 24,123.10 पर खुला और 33.91 अंक फिसलकर 24,010.60 पर बंद हुआ।

लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें यथावत रहेंगी

- सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा पर 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर मिलेगी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) एवं अन्य लघु बचत योजनाओं पर चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के लिए ब्याज दरों में कोई भी बदलाव नहीं किया है। सरकार ने ब्याज दरों को लेकर यह ऐलान किया। एक जुलाई, 2024 से शुरू होने वाली तिमाही के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों को यथावत रखा है। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही एक जुलाई से 30 सितंबर 2024 तक के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें पहली तिमाही एक मार्च से 30 जून 2024 तक के लिए अधिसूचित दरों के समान ही रहेंगी। अधिसूचना के मुताबिक, सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा पर 8.2 प्रतिशत की ब्याज दर मिलेगी, जबकि तीन साल की सावधि जमा पर दर 7.1 प्रतिशत रहेगी। पीपीएफ और डाकघर बचत जमा योजना की ब्याज दरें भी क्रमशः 7.1 प्रतिशत और चार प्रतिशत पर बनी रहेंगी। किसान विकास पत्र पर ब्याज दर 7.5 प्रतिशत होगी तथा यह निवेश 115 महीनों में परिपक्व होगा। जुलाई-सितंबर 2024 की अवधि के लिए राष्ट्रीय बचत पत्र पर ब्याज दर 7.7 प्रतिशत रहेगी। सितंबर तिमाही में भी डाकघर मासिक आय योजना के निवेशकों को पहले की तरह 7.4 प्रतिशत ब्याज देगी। सरकार हर तिमाही में डाकघरों और बैंकों द्वारा संचालित लघु बचत योजनाओं के लिए ब्याज दरों को अधिसूचित करती है। इस स्कीम में हर वित्त वर्ष में न्यूनतम 500 रुपये का निवेश करना ही होता है। इस स्कीम में किया गया निवेश भी टैक्स छूट के लिए पात्र होता है। इस योजना में एक साल में अधिकतम 1.5 लाख रुपये का निवेश किया जा सकता है। इस स्कीम में न्यूनतम 1000 रुपये और अधिकतम 30 लाख रुपये तक का निवेश किया जा सकता है। अगर इसके ब्याज से होने वाली कुल आय 50,000 वित्त वर्ष से ऊपर निकल जाती है तो उस पर टैक्स देना होता है। यह अकाउंट 1000 रुपये के न्यूनतम निवेश के साथ शुरू किया जा सकता है। इंडिविजुअल अकाउंट में इसमें 9 लाख रुपये और जॉइंट अकाउंट में अधिकतम 15 लाख रुपये लगाए जा सकते हैं। इस अकाउंट में न्यूनतम निवेश 1000 रुपये का करना होता है। अधिकतम निवेश के लिए कोई सीमा नहीं है। इसका मैच्योरिटी पीरियड 5 साल का है।

सरकार की सकल देनदारियां मार्च तक 3.4 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली । सरकार की कुल सकल देनदारियां दिसंबर के ओ खिर में 166.14 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर मार्च 2024 तक 171.78 लाख करोड़ रुपये हो गईं। वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी दी। सार्वजनिक ऋण प्रबंधन तिमाही रिपोर्ट जनवरी-मार्च, 2024 में कहा गया कि यह आंकड़ा तिमाही आधार पर 3.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक समीक्षाधीन तिमाही के दौरान सार्वजनिक ऋण कुल सकल देनदारियों का 90.2 प्रतिशत था। इसमें कहा गया कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान, अंतरिम बजट में घोषित उधार योजना के अपेक्षा से कम रहने के चलते भारतीय घरेलू बॉन्ड के प्रतिफल में नरमी आई। राजकोषीय घाटे के काबू में रहने, एफपीआई प्रवाह और स्थिर मुद्रास्फीति से इसमें मदद मिली। दूसरी ओर समीक्षाधीन तिमाही के दौरान अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिफल अस्थिर रहा, जो मुख्य रूप से फेडरल रिजर्व की कार्रवाई, मुद्रास्फीति और रोजगार डेटा से प्रभावित था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान अमेरिकी 10 वर्षीय प्रतिफल 4.33 प्रतिशत के उच्च स्तर पर पहुंच गया। रिपोर्ट के मुताबिक नए निर्गमों पर भारित औसत प्रतिफल 2023-24 की तीसरी तिमाही के 7.37 प्रतिशत की तुलना में 2023-24 की चौथी तिमाही में 7.19 प्रतिशत तक नरम हो गया। इसके अलावा दिनांकित प्रतिभूतियों के निर्गमों की भारित औसत परिपक्वता 2023-24 की चौथी तिमाही में 18.75 वर्ष हो गई। यह 2023-24 की तीसरी तिमाही में 18.80 थी।

सरकार ने ईपीएस से पैसे निकालने का बदल दिया नियम

- कर्मचारी पेंशन योजना के 7 लाख से अधिक सदस्यों को लाभ होगा

नई दिल्ली ।

सरकार ने कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 के पैसे निकालने के नियम बदल दिए हैं। इस संसोधन के बाद 6 महीने से कम अंशदायी सेवा वाले कर्मचारी पेंशन योजना के सदस्य भी ईपीएस खाते से पैसे निकाल पाएंगे। इस संशोधन से प्रत्येक वर्ष कर्मचारी पेंशन योजना के 7 लाख से अधिक ऐसे सदस्यों को लाभ होगा जो 6 महीने से कम अंशदायी सेवा के बाद योजना छोड़ देते हैं।प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) के अनुसार केंद्र सरकार ने टेबल डी को भी संशोधित किया है। अब से विड्रॉल बेनेफिट इस बात पर निर्भर करेगा कि सदस्य ने कितने महीने तक सर्विस किया है और वेतन पर कितना ईपीएस का योगदान किया जाता रहा है। इससे सदस्यों के विड्रॉल बेनेफिट को तर्कसंगत बनाने में मदद मिलेगी। इस संशोधन से 23 लाख से अधिक ईपीएस सदस्यों को लाभ होगा। श्रम मंत्रालय ने बताया कि देश में लाखों ऐसे ईपीएस 95 स्कीम के सदस्य हैं जो पेंशन पाने के लिए 10 वर्ष तक लगातार स्कीम में योगदान करने के नियम के बावजूद बीच में ही स्कीम से बाहर आ जाते हैं। अभी तक के नियमों के मुताबिक तक विड्रॉल बेनेफिट के कैलकुलेशन के लिए सर्विस में पूरे किए गए वर्ष और उस वेतन के आधार पर तय किया जाता है जिस पर ईपीएस के लिए योगदान किया गया है। 6 महीने या उससे अधिक समय तक योगदान करने वाले मेंबर्स ही इस विड्रॉल लाभ ले सकते थे।

ऐसे में जो सदस्य छह महीने से कम समय तक योगदान करने के बाद स्कीम छोड़ देते हैं उन्हें कोई विड्रॉल बेनेफिट नहीं मिलता था। इसके चलते कई लोगों के क्लेम के आवेदन को खारिज कर दिया जाता था। श्रम मंत्रालय के मुताबिक छह महीने से ज्यादा अंशदान के नियम के चलते 2023-24 में 7 लाख विड्रॉल क्लेम के आवेदन को खारिज कर दिया गया। ये ऐसे आवेदन थे जिसमें 6 महीने से कम समय के लिए ईपीएस 95 स्कीम में योगदान किया गया था लेकिन सरकार के इस फैसले के बाद वैसे सभी ईपीएस सदस्य जो 14 जून 2024 तक 58 वर्ष की आयु के नहीं हुए हैं। वे भी पैसे निकालने के हकदार हो जाएंगे।केंद्र सरकार ने टेबल डी को भी संशोधित किया है। अब से विड्रॉल इस बात पर निर्भर करेगा कि सदस्य ने कितने महीने तक सर्विस किया है और वेतन पर कितना ईपीएस का योगदान किया जाता रहा है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 653 अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह की गिरावट के बाद देश का विदेशी मुद्रा भंडार 21 जून को खत्म हुए सप्ताह में 81.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 653.71 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.92 अरब डॉलर घटकर 652.89 अरब डॉलर रहा था। विदेशी मुद्रा भंडार 7 जून को 655.82 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 21 जून को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली फॉरेन करेंसी एसेट्स 10.6 करोड़ डॉलर घटकर 574.13 अरब डॉलर रही। उल्लेखनीय है कि कुल विदेशी मुद्रा भंडार में एफसीए एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किए जाने वाले एफसीए में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी करेंसी में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। आरबीआई ने कहा कि ने कहा कि रिपोर्टिंग वीक के दौरान गोल्ड रिजर्व का मूल्य 98.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 56.96 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक ने कहा कि स्पेशल ड्राइंग राइट्स विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 5.7 करोड़ डॉलर घटकर 18.05 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक के मुताबिक रिपोर्टिंग वीक में इंटरनेशनल मोनेटरी फंड के पास भारत की रिजर्व पोजीशन 90 लाख डॉलर घटकर 4.57 अरब डॉलर रह गई।

जेपी मॉर्गन के जीबीआई-ईएम में शामिल हुआ भारत

- उम्मीद से कम विदेशी निवेश आने पर निवेशक कुछ निराश हुए

नई दिल्ली ।

जेपी मॉर्गन के सरकारी बॉन्ड सूचकांक- इमर्जिंग मार्केट्स (जीबीआई-ईएम) में भारत आधिकारिक रूप से शामिल हो गया मगर पहले दिन सरकारी बॉन्ड की यील्ड सपाट रही। उम्मीद से कम विदेशी निवेश आने पर निवेशक कुछ निराश हो गए, जिसका असर यील्ड पर भी पड़ा। बेंचमार्क बॉन्ड की यील्ड करीब 7 फीसदी रही, जो पहले के मुकाबले सपाट ही थी। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज प्राइमरी डीलरशिप के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा` कि हो सकता है कि लोगों ने इससे पहले कुछ खरीदा हो। अन्य डेरिवेटिव भी हैं जिनका कुछ फंडों ने उपयोग किया होगा। इसलिए तत्काल खरीदने की जरूरत नहीं है। वे धीरे-धीरे किस्तों में बॉन्ड खरीद सकते हैं। 10 साल समय अवधि वाले बेंचमार्क बॉन्ड की यील्ड कारोबार के दौरान बढ़कर 7.02 फीसदी हो गई थी क्योंकि ट्रेडरों ने मुनाफे में अपने बॉन्ड बेच दिए। एक बड़े सरकारी बैंक के एक डीलर ने कहा कि जिनके पास बॉन्ड हैं वे पिछले कुछ दिनों से उसकी बिकवाली कर रहे हैं क्योंकि जितना निवेश आने की

उम्मीद थी, उतना नहीं हुआ। तिमाही के अंत में कुछ मुनाफावसूली भी हुई है। क्लियरिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के आंकड़ों के अनुसार विदेशी बैंकों ने जून में सेकंडरी मार्केट से 46,954 करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्डों की शुद्ध खरीद की। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने पूर्ण सुलभ मार्ग के जरिये इसी महीने 15,616 करोड़ रुपये मूल्य के सरकारी बॉन्ड खरीदे। गुरुवार को सरकारी बॉन्डों में 946 करोड़ रुपये का विदेशी निवेश आया था। सितंबर 2023 में जेपी मॉर्गन ने घोषणा की थी कि वह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा पूर्ण सुलभ मार्ग (एफएआर) के तहत जारी सरकारी बॉन्डों को अपने जीबीआई-ईएम में शामिल करेगा। सूचकांक में देसी बॉन्ड को 10 महीने में धीरे-धीरे शामिल किया जाएगा। 31 मार्च, 2025 तक हर महीने बॉन्ड का भार 1 फीसदी बढ़ाया जाएगा। इस तरह 10 महीने में भारतीय बॉन्ड का भार बढ़कर चीनी बॉन्ड के बराबर 10 फीसदी हो जाएगा।

1 जुलाई से हो जाएंगे पांच बड़े बदलाव, जानना जरूरी है

- मोबाइल रिचार्ज से लेकर बैंक खाते तक होगा असर

नई दिल्ली ।

जुलाई का महीना अपने साथ कुछ बदलाव लेकर आता है। बैंक खाते से लेकर क्रेडिट कार्ड तक के नियमों का असर सीधा आम आदमी की जेब पर होने वाला है। नियमों की जानकारी न होने से कई बार आदमी को बिना वजह शुल्क चुकाना पड़ सकता है। साथ ही कई बार कुछ कामों की डेडलाइन निकल जाने की वजह से वे काम रूक जाते हैं। एक जुलाई से टेलीकॉम रेगुलेटर ट्राई ने सिम स्वैप फ्रॉड को रोकने के लिए सिम कार्ड चोरी होने या डैमेज होने की स्थिति में लॉकिंग पीरिएड को सात दिन तक बढ़ा दिया है। यानी` कि अब आपको सिम के लिए सात दिन इंतजार करना होगा। जुलाई में आपको अपना मोबाइल रिचार्ज कराने पर ज्यादा पैसे देने होंगे। ऐसा इसलिए है क्योंकि रिलायंस जियो, वोडाफोन-आईडिया और एयरटेल ने अपने टैरिफ बढा दिए हैं।हर महीने की पहली तारीख को पेट्रोलियम कंपनियां एलपीजी सिलेंडर और एटीएफ की कीमतों को संशोधित करती है। ऐसे में एक जुलाई से गैस सिलेंडर पर आपको राहत भी मिल सकती है। 1 जुलाई से क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट के नए नियम लागू हो जाएंगे। इसमें सभी बैंकों को क्रेडिट कार्ड पेमेंट भारत बिल पेमेंट सिस्टम के जरिए से प्रोसेस करना होगा। हालांकि, बैंकों ने अभी तक इन निर्देशों का पालन नहीं किया है। अभी तक सिर्फ 8 बैंकों ने ही बीबीपीएस पर बिल पेमेंट एक्टिव किया है। अगर आपका पंजाब नेशनल बैंक में खाता है और उसे आपने लंबे समय से उपयोग नहीं किया है तो वह 1 जुलाई से काम नहीं करेगा। बैंक ने अपने नोटिफिकेशन में कहा है कि 30 अप्रैल 2024 तक जिन खातों को इस्तेमाल किए हुए 3 साल से अधिक का वक्त हो गया है उस तरह के खाते को बैंक अब एक महीने के भीतर बंद कर देगा। बैंक ने ग्राहकों को असुविधा से बचाने के लिए 30 जून 2024 तक की समयसीमा तय की है।

सिर्फ 1 साल में 3 आईसीसी फाइनल, एक सुखद अंत की हकदार है रोहित शर्मा-राहुल द्रविड़ की जोड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। यह भारत के कोच के रूप में राहुल द्रविड़ का आखिरी दिन होगा। शनिवार, 29 जून को जब बारबाडोस में पुरुष टी20 विश्व कप के फाइनल में एशियाई दिग्गज दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेंगे तो टी20ई क्रिकेट में भारत के कप्तान के रूप में यह शायद रोहित शर्मा का आखिरी दिन होगा। अरबों सपनों के साथ, सुपरहिट जोड़ी है एक सुखद अंत पर नजर। और यह एक का हकदार भी है! हालांकि, खेल में कोई भी किसी चीज का हकदार नहीं है। आपको उस दिन प्रदर्शन करके दिखाना होता है।

फिर भी, यह उचित होगा यदि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के ताज के लिए भारत का 11 साल का इंतजार रोहित और द्रविड़ के नेतृत्व समूह द्वारा समाप्त हो जाए। 2021 में साथ आने के बाद रोहित और द्रविड़ उतार-चढ़ाव भरे दौर से गुजरे हैं, जिसने यकीनन भारतीय क्रिकेट को फलते-फूलते और ऊपर उठते देखा है। रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ ने प्रक्रियाओं का अच्छा ध्यान रखा है, खासकर 2022 टी20 विश्व कप की हार के बाद। जब द्रविड़ ने 2021 में टीम के मुख्य कोच का पद संभाला, तो उन्हें एक मसीहा के रूप में देखा गया।

यह उस युग के अंत का प्रतीक है जिसमें सफेद गेंद वाली टीम कमजोर दिखती थी और उसमें अजेयता की भावना नहीं थी जो कि सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड द्वारा संचालित टीम में होनी चाहिए थी। टी20 विश्व कप 2021 में जल्दी बाहर होने और 2019 सेमीफाइनल की हार ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारतीय सफेद गेंद क्रिकेट को पाठ्यक्रम में सुधार की जरूरत है। विराट कोहली के कप्तानी से दूर होने के बाद राहुल और रोहित ने टीम में कई सुधार की कोशिश की। धीरे-धीरे यह रंग लाता हुआ भी दिखाई देने लगा।

भारत के निवर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने अपने कार्यकाल में अविश्वसनीय निरंतरता दिखाने के लिए राष्ट्रीय टीम की सराहना की। द्रविड़ के नेतृत्व में, भारत आईसीसी टूर्नामेंटों (टी20 विश्व कप 2024 सहित) में तीन फाइनल में पहुंचा है और खेल के तीनों प्रारूपों में शीर्ष टीम का दर्जा प्राप्त किया है। बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल से पहले प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, द्रविड़ ने भारतीय पक्ष की सराहना की और अविश्वसनीय काम करने के लिए भारतीय क्रिकेटरों को श्रेय दिया।

रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम टूर्नामेंट में बिना एक भी गेम हारे टी20 वर्ल्ड कप 2024 के फाइनल में पहुंच गई है। प्रतियोगिता में भारत का प्रदर्शन 2023 में उनके घरेलू विश्व कप के समान है। भारत फाइनल में प्रबल दावेदार के रूप में आया है, उसने शिखर मुकाबले से पहले बारबाडोस में एक मैच खेला था।

ब्रैथवेट की कप्तानी में अगले माह टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड जाएगी वेस्टइंडीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंट जॉन्स (ईएमएस)। क्रैग ब्रैथवेट की कप्तानी में वेस्टइंडीज टीम अगले माह इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने 10 जुलाई से शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की रिचर्ड्स बॉथम सीरीज के लिए 15 सदस्यीय जो टी घोषित की है। उसमें चोटिल तेज गेंदबाज केमर रोच की जगह पर सेंट किट्स एंड नेविस के तेज गेंदबाज जेरेमिया लुइस को शामिल किया है। मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स ने कहा कि टीम को रोच की कमी खलेगी पर अन्य खिलाड़ी इसके लिए पर्याप्त हैं। रिचर्ड्स बॉथम सीरीज सर विवियन रिचर्ड्स और इंग्लैंड के महान ऑलराउंडर लॉर्ड इयान बॉथम के नाम पर रखी गयी है। इंडीज टीम 4 जुलाई से बेकेनहैम में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 3 दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी। 19 वर्षीय तेज गेंदबाज इसाई थॉर्न को भी टीम में जगह मिली है।

टीम इस प्रकार है- क्रैग ब्रैथवेट (कप्तान), एलिक अथानाज़े, जोशुआ दा सिल्वा, जेसन होल्डर, केवम हॉज, टेविन इमलाच, अल्जारी जोसेफ (उप-कप्तान), शमर जोसेफ, मिकाइल लुइस, ज़ाचरी मैकास्की, किर्क मैकेंज़ी, गुडाकेश मोती, जेरेमिया लुइस, जेडेन सील्स, केविन सिंक्लेयर, और इसाई थॉर्न।

आने वाले समय में पारी की शुरुआत करेंगे फ्रेजर : वार्नर

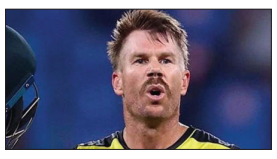

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने युवा बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आने वाले दिनों में टीम की ओर से पारी की शुरुआत करते हुए दिखेंगे। फ्रेजर ने घरेलू क्रिकेट के साथ ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में भी शानदार प्रदर्शन कर अपने को साबित किया था। टी20 विश्वकप में उन्हें रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर रखा गया था हालांकि उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला था। ऑस्ट्रेलियाई टीम के टी20 विश्वकप से बाहर होते ही वार्नर का अंरतराष्ट्रीय करियर समाप्त हो गया था। वार्नर ने कहा कि टी20 और एकदिवसीय में आने वाले समय में फ्रेजर ही सलामी बल्लेबाज होंगे

वार्नर ने कहा कि 50 ओवर क्रिकेट कैसे खेलना है। यह एक चीज है जो मैंने ट्वेंटी 20 से सीखी है। मुझे सात मैचों के बाद बाहर कर दिया गया क्योंकि मैं वास्तव में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था। फिर मैंने समझा कि एकदिवसीय क्रिकेट कैसे खेलना है और टी20 क्रिकेट कैसे खेलना है। ऑस्ट्रेलिया टीम ने अभी स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले खेलने हैं, ऐसे में फ्रेजर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सामने आया है। इस साल की शुरूआत में इस युवा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के दौरान 2 मैचों में 23 गेंदों पर 51 रन बनाए थे। इससे पहले उन्होंने मार्श कप में मात्र 29 गेंदों में शतक लगाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था और सबका ध्यान खींचा था। इसके अलावा आईपीएल में भी 36.66 की औसत और 234.04 की जबरदस्त स्ट्राइक रेट से 330 रन बनाए थे। इसमें चार अर्धशतक शामिल थे।

भारतीय टीम ने महिला टेस्ट क्रिकेट में बनाया सबसे बड़ा टीम स्कोर

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया के नौ विकेट पर 575 रन के पिछले प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए महिला टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ा टीम स्कोर खड़ा किया। भारतीय टीम ने रिकॉर्ड बनाने के बाद पहली पारी छह विकेट पर 603 रन बनाकर घोषित की। ऑस्ट्रेलिया ने इस साल पर्थ में यह स्कोर बनाया था लेकिन ऋचा घोष (86 रन) के एनेरी डर्कसन के 109वें ओवर की शुरूआती गेंद पर चौका लगाते ही भारत ने नया रिकॉर्ड बना दिया। इस उपलब्धि का श्रेय काफी हद तक भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (205 रन) और स्मृति मंधाना (149 रन) को जाता है जिन्होंने 292 रन की ऐतिहासिक साझेदारी निभाई जो महिला क्रिकेट में पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी भी है। जेमिमा रोड्रिग्स (55 रना) के साथ कप्तान हरमनप्रीत कौर (69 रन) और ऋचा ने अर्धशतक बनाकर योगदान दिया। भारतीय महिला टीम ने पहले दिन चार विकेट पर 525 रन बनाए थे जो टेस्ट मैच में एक दिन का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर भी था। इससे उसने श्रीलंकाई पुरुष टीम के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया जिसने 2002 में कोलंबो में बांग्लादेश के खिलाफ नौ विकेट पर 509 रन बनाए थे।

अब कोच की भूमिका में नजर आएगें रिकी पोंटिंग

मुम्बई । ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड अब अमेरिकी मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के दूसरे सत्र में खेलेंगे। अब सितंबर तक ऑस्ट्रेलिया का कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं है। इसी का लाभ उठाते हुए हेड ने अमेरिकी लीग में खेलने का फैसला किया है। हेड का कहना है कि वह मेजर लीग में वाशिंगटन फ्रीडम की ओर से खेलेंगे। हेड के अलावा इसमें ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ फ्रीडम भी खेलेंगे। टीम के नए कोच, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग रहेंगे। पोंटिंग को इस लीग के लिए ग्रेग शिपर्ड की जगह कोच बनाया गया है। फ्रीडम की ओर से न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रवींद्र भी खेलेंगे। टीम ने 2023 सत्र के लिए माकर जेन्सन और अकील होसेन जैसे दो विदेशी खिलाड़ियों को भी रखा है। इस लीग में एडम ज़म्पा लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स, स्पेंसर जॉनसन नाइट राइडर्स और टिम डेविड एमआई न्यूयार्क भी खेलेंगे। शामिल हो गए हैं। उन्होंने एमएलसी के दूसरे सत्र के लिए अनुबंध की पुष्टि की है।

गुस्साएं राहूल द्रविड़ ने क्यों कहा.....ये मेरे उसूलों के खिलाफ

नई दिल्ली । टीम इंडिया के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल 2023 वनडे वर्ल्ड कप के बाद बढ़ाया गया था। इस टी20 विश्व कप के बाद उनका यह कार्यकाल खत्म हो जाएगा। सोशल मीडिया पर कोच द्रविड़ के लिए विश्व कप जीतने को लेकर कैंपेन चलाया जा रहा है। फैंस उनके लिए टूर्नामेंट का खिताब जीतने के लिए यह कैंपेन चला रहे हैं। लेकिन द्रविड़ इस बात से नाराज दिख रहे है। द्रविड़ ने कहा कि मैं जिस तरह का इंसान हूं, यह बिल्कुल उसके खिलाफ है। मैं इस तरह की चीजों में यकीन नहीं रखता कि किसी के लिए कोई ट्रॉफी जीतो। मुझे किसी की कही बात याद आती है कि जब पूछा गया, आप एवरेस्ट क्यों चढ़ना चाहते हैं, तब जवाब मिला। मुझे एवरेस्ट चढ़ना है क्योंकि वह वहीं है।

कैफ ने कोहली का समर्थन किया, कहा- धोनी का भी 2011 में अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने विश्वास व्यक्त किया है कि विराट कोहली एमएस धोनी जैसा वीरतापूर्ण प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं, जैसा उन्होंने 2011 वनडे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बारबाडोस में किया था। कैफ ने कोहली के मौजूदा फॉर्म और 2011 विश्व कप में धोनी के सफर के बीच तुलना की। उन्होंने प्रशंसकों को याद दिलाया कि धोनी ने एक असाधारण टूर्नामेंट नहीं खेलने के बावजूद श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में मौके का फायदा उठाया, नाबाद 91* रन बनाए और लॉन्ग ऑन पर एक यादगार छक्का लगाकर जीत सुनिश्चित की। कैफ ने सुझाव दिया कि कोहली, जिन्होंने अभी तक इस टूर्नामेंट में कोई खास प्रदर्शन नहीं किया है, उनमें धोनी के वीरतापूर्ण प्रदर्शन की नकल करने की क्षमता है। कैफ ने 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, 'विराट कोहली को यह याद रखना चाहिए कि 2011 में धोनी का भी विश्व कप अच्छा नहीं रहा था, लेकिन फाइनल में उन्होंने अपनी फॉर्म हासिल कर ली। वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, जो गेंद को अपनी योग्यता के अनुसार खेल सकते हैं और किसी भी गेंदबाजी आक्रमण पर हावी हो सकते हैं। कुलसेकरा की गेंद पर लॉन्ग-ऑन पर धोनी का छक्का सभी के दिमाग में बसा हुआ है। इसलिए मुझे लगता है कि विराट कोहली के पास हीरो बनने का शानदार मौका है।' पिछले आईसीसी टूर्नामेंट्स में भारत के लिए अहम भूमिका निभाने वाले कोहली इस टूर्नामेंट में अभी तक कुछ खास नहीं कर पाए हैं। हालांकि कैफ ने उन्हें वनडे विश्व कप में ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनके शानदार शतक की याद दिलाई और कोहली को उस पारी से आत्मविश्वास लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, 'उन्हें यह भूल जाना चाहिए कि वह खराब फॉर्म में हैं। उन्होंने तब शतक लगाया था, जब भारत ने आखिरी बार वनडे विश्व कप में ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। उस दिन वह शानदार थे और उन्होंने बहुत अच्छा खेला, लेकिन वह उस दिन शानदार प्रदर्शन नहीं कर रहे थे, बल्कि उचित क्रिकेट शॉट्स के साथ गेंद को योग्यता के अनुसार खेल रहे थे।'

रोहित शर्मा हमें न सिखाएं कि क्या कहना है और क्या नहीं

-टीम इंडिया के कप्तान के बयान से इंजमाम-उल-हक नाराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के गेंदबाजों पर गेंद से छेड़छाड़ के आरोप लगाने वाले पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक को रोहित शर्मा ने अपने दिमाग का इस्तेमाल करने का आग्रह किया था। रोहित के इस बयान पर इंजमाम बहुत नाराज हुए। उन्होंने टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा पर तीखे हमला करते हुए कहा है कि वह उन्हें न सिखाएं कि क्या कहना है और क्या नहीं।

बता दें कि इंजमाम ने टी20 विश्व कप 2024 के सुपर 8 मैच के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्शदीप सिंह द्वारा फेंके गए 15वें ओवर में मिल रही गेंद रिवर्स-स्विंग पर सवाल उठाए थे। टीम इंडिया की 24 रनों से जीत के बाद इंजमान ने दावा किया था कि गेंद पर गंभीरता से काम किया गया, लेकिन रोहित ने धूप में रिवर्स-स्विंग की बारीकियां बताईं। रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच से पहले इंजमाम के आरोपों पर कहा

था कि यहां के विकेट काफी शुष्क हैं। सभी टीमों को रिवर्स स्विंग मिल रही है। आपको अपना दिमाग खुला रखने की जरूरत है। यह ऑस्ट्रेलिया नहीं है।

इंजमाम ने कहा कि आप किसी ऐसे व्यक्ति को कुछ नहीं सिखाते जिसने वास्तव में दुनिया को सिखाया हो। उसे बताएं कि ये बातें कहना सही नहीं है। हम निश्चित रूप से अपने दिमाग का इस्तेमाल करेंगे लेकिन पहली बात यह है कि रोहित स्वीकार ने किया कि ऐसा हो रहा है। तो इसका मतलब है कि हमने जो देखा वह सही है।

दूसरी बात रोहित शर्मा को हमें यह बताने की जरूरत नहीं है कि रिवर्स स्विंग कैसे काम करती है, कितनी धूप में काम करती है। मैंने अंपायरों को केवल सुझाव दिया था कि अपनी आंखें खुली रखें क्योंकि 15वें ओवर में गेंद घूम रही थी और मैं अभी भी अपनी बात पर अडिग हूं। मैं उनसे फिर कहूंगा अपनी आंखें खुली रखें। क्या हो रहा है?

इंजमान की बात का पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सलीम मलिक ने भी समर्थन किया है। हालांकि उक्त मामले पर पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि इस मामले को रिपोर्टर को आगे बढ़ाने की जरूरत नहीं थी। हालांकि सहवाग ने यह भी कहा कि अगर वह रोहित की जगह होते तो ऐसी किसी भी टिप्पणी से बचते। बता दें कि भारत टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में पहुंच चुका है और आज 29 जून को बारबाडोस में ट्रॉफी के लिए दक्षिण अफ्रीका के साथ फाइनल मैच खेलेगा।

खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने एशियाई खेलों में योग को शामिल कराने के लिए आईओए का किया समर्थन

नयी दिल्ली। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने एशियाई खेलों में योग को शामिल करने के भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा के प्रस्ताव का समर्थन किया है। मांडविया ने एक बयान में कहा ,'' योग की अप्रतिम लोकप्रियता को देखते हुए इसे प्रतिस्पर्धी खेलों का दर्जा देकर एशियाई खेलों में शामिल किया जाना चाहिये।'' उषा ने एशियाई ओलंपिक परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष रणधीर सिंह को 26 जून को पत्र लिखकर योग को एक खेल के रूप में एशियाई खेलों में शामिल करने का प्रस्ताव रखा है। मांडविया ने कहा ,'' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किये जाने के लिये काफी मेहनत की है। योग को लोकप्रिय बनाने में भारत अग्रणी रहा है और हमने इसे खेलो इंडिया युवा खेलों में प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में शामिल किया।

ओलंपिक में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के इरादे से सात जुलाई को पेरिस रवाना होंगी चानू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारोत्तोलक मीराबाई चानू की नजरें अब आगामी पेरिस ओलंपिक खेलों पर लगी हुई हैं। चानू ने पिछली बार टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीता था और इस बार उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना रहेगा। इसी कारण हालत से तालमेल बिठाने के साथ ही अभ्यास के लिए सात जुलाई को पेरिस जा रही है। वह वहां एक महीने तक अभ्यास करेंगे। ओलंपिक में उनका मुकाबला सात अगस्त को होगा।

चानू ने कहा कि वह इन खेलों में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। वह ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली भारत की अकेली भारोत्तोलक है। 49 किग्रा वजन वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाली यह खिलाड़ी पदक के सपने को पूरा करने के लिए अपनी फिटनेस बनाये रखने पर ध्यान दे रही हैं।

इस खिलाड़ी ने कहा, 'पेरिस को लेकर उत्साहित हूं हालांकि थोड़ी घबराहट और तनाव भी है। पिछले तीन साल टोतोक्यो ओलंपिक के बाद हालात बदल गये हैं। भारत के लिए पदक जीतने का दबाव है पर अगर मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रही तो देश के लिए पदक जीत सकती हूं।

चानू का स्नैच में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 88 किग्रा तथा क्लीन एवं जर्क में 119 किग्रा का रहा है। वह चोटों के साथ ही पीठ की समस्या के बाद भी इन खेलों की तैयारी करती रही हैं। एशियाई खेलों में वह कूल्हे

की चोट से परेशान थीं जिसके कारण् वह पांच महीने तक खेल से दूर रहीं। चोटों से उबरना उनकी बड़ी चुनौती रही है। उन्होंने कहा कि वह धीरे-धीरे वजन उठाने की क्षमता को बढ़ा रही है।

मीराबाई ने कहा, 'मैं धीरे-धीरे वजन उठाने की अपनी क्षमता को बढ़ा रही हूं। अभी मैंने 80-85 फीसदी फिटनेस हासिल कर ली है और अभ्यास के दौरान स्नैच में 70 से 80 किग्रा तथा क्लीन एवं जर्क में 100 से 110 किग्रा का भार उठा रही हूं। हम इसे धीरे-धीरे बढ़ाएंगे। उन्होंने अपने भार उठाने के लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'इस बारे में कुछ कहना कठिन पर मेरी कोशिश स्नैच में 90 किग्रा और क्लीन एवं जर्क में पहले से बेहतर प्रयास करना रहेगा।

11 जुलाई से शुरु होगी ... यूपी कबड्डी लीग

नोएडा । 11 से 25 जुलाई तक नोएडा सेक्टर 21ए स्थित नोएडा इंडोर स्टेडियम में यूपी कबड्डी लीग की शुरूआत हो रही है। इस बार आपको कोई भी मुकाबला देखने के लिए कोई फीस नहीं देनी पड़ेगी। कबड्डी के शौकीन लोग अपनी फैमिली और दोस्तों के साथ मिलकर कबड्डी देखने हर रोज जा सकते हैं। इस कबड्डी लीग में यूपी-मुंबई सहित कई टीमें अपना दमखम दिखाएँगी। इस बार यूपी कबड्डी लीग ने नए खिलाड़ियों को प्लेटफार्म दिया है। जिन लोगों को खेलने के लिए कोई प्लेट फार्म नहीं मिल रहा था या फिर अपने सपने को समेटे घर बैठे थे, उन कबड्डी खिलाड़ियों को यूपी कबड्डी लीग ने उतारा है। जो अपना दमखम सबके सामने दिखाएंगे। बता दें कि प्रोग्राम के बारे में यूपीकेएल के संस्थापक संभव जैन और एकेएफआई के संयुक्त सचिव और यूपी कबड्डी एसोसिएशन के सदस्य विनय कुमार सिंह के साथ यूपीकेएल के स्पोर्ट्स एंबेसडर राहुल चौधरी ने बताया कि यह प्रतियोगिता कबड्डी खिलाड़ियों के लिए पेशेवर स्तर पर प्रदर्शन और अनुभव हासिल करने का एक महत्वपूर्ण स्थान देने जा रही है। इसके पहले यूपी कबड्डी लीग ने ट्रॉफी को यूपी के 20 से अधिक प्रमुख शहरों जैसे लखनऊ, अयोध्या, वाराणसी, मिर्जापुर, प्रयागराज, झांसी, आगरा, मथुरा, नोएडा जैसे शहरों में प्रदर्शित किया।

वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स में खेलते दिखेंगे युवराज सिंह और हरभजन सहित कई दिग्गज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह, हरभजन सिंह और सुरेश रैना सहित कई दिग्गज खिलाड़ी एक बार फिर मैदान पर चौके और छक्के लगाते दिखेंगे। युवराज अगले माह जुलाई में इंग्लैंड में आयोजित होने वाले पूर्व क्रिकेटरों के टूर्नामेंट 'वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स में 'इंडिया चैंपियंस की कप्तानी करेंगे। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड से मान्यता प्राप्त इस टूर्नामेंट में भारत के अलावा इंग्लैंड, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की पूर्व खिलाड़ियों की टीमें हिस्सा लेगी।

'इंडिया चैंपियंस टीम में युवराज के अलावा हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू और यूसुफ पठान जैसे दिग्गज क्रिकेटर शामिल हैं। भारतीय टीम अपने मुकाबले एजबेस्टन, बर्मिंघम और नॉर्थम्पटनशर में खेलेगी। टीम की जर्सी के अनावरण के अवसर पर टीम के मालिकों के साथ पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह और पूर्व लेग स्पिनर राहुल शर्मा भी मौजूद थे।

रैना ने इस मौके पर कहा कि वह 'वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स लीग में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि युवराज और हरभजन के साथ हमने पाकिस्तान के साथ कई मैच खेले हैं। जब आप देश का प्रतिनिधित्व करते हैं तो अच्छा करने की कोशिश होती है। हम इंग्लैंड में पाकिस्तान का सामना करने का ब्रेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने पेशेवर खेल से संन्यास जरूर लिया है पर दिल से कभी क्रिकेट नहीं हटेगा।

वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के लिए 'इंडिया चैम्पियंस की टीम इस प्रकार है

युवराज सिंह, हरभजन सिंह, सुरेश रैना, इरफान पठान, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायुडू, यूसुफ पठान, गुरकीरत मान, राहुल शर्मा, नमन ओझा, राहुल शुक्ला, आरपी सिंह, विनय कुमार, धवल कुलकर्णी।

प्रज्ञानानंदा ने सुपरबेट क्लासिक टूर्नामेंट के तीसरे दौर में गुकेश से ड्रा खेला

बुकारेस्ट । भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा तीसरे दौर में हमवतन डी गुकेश से ड्रा खेलने के बाद सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट में संयुक्त बढ़त हासिल करने से चूक गये। टूर्नामेंट में तीन दिन में पहली बार 10 खिलाड़ियों के डबल राउंड रोबिन में सभी पांच मैच ड्रा रहे। अभी 350000 डॉलर की पुरस्कार राशि के टूर्नामेंट में छह दौर बाकी हैं। सभी ड्रा से बढ़त हासिल करने वाले खिलाड़ी के स्थान में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुकेश अमेरिका के फैबियानो कारूआना के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर बने हुए हैं। दोनों के दो अंक हैं। कारूआना ने उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तारोव से ड्रा खेला। मैक्सिम वाचियर लाग्रेव ने अलीरेजा फिरौजा से अंक बांटे। इससे वाचियर लाग्रेव, प्रज्ञानानंदा, अलीरेजा, वेस्ले सो, अनीष गिरी और इयान नपोमनियाच्ची 1.5 अंक लेकर संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लकीर के फकीर न बने

एक बार एक राजा ने अपने मंत्री और दरबारियों की बुद्धि की परीक्षा लेने का निर्णय लिया। उसने सभी को एक जगह बुलाया और प्रत्येक को अशर्फियों से भरी एक थैली भेंट की। फिर उसने कहा आप सब इन अशर्फियों को मेरा मुंह देखकर ही खर्च करें। बिना मेरा मुंह देखे इन्हें खर्च नहीं किया जा सकता। एक सप्ताह बाद सबको बताना होगा कि आप लोगों ने इन अशर्फियों से क्या खरीदारी की है। एक सप्ताह बीतने के बाद राजा ने अपने सभी कर्मचारियों को बुलाकर पूछा कि उन लोगों ने अशर्फियों से क्या-क्या खरीदा।

सभी दरबारी एक दूसरे की मुंह देखने लगे। वे अपने को ठगा सा महसूस कर रहे थे। उन्हें लग रहा था कि राजा ने उनके साथ मजाक किया है। सभी को चुप देखकर राज पुरोहित बोले महाराज, आपकी आज्ञा थी कि अशर्फियों को आपका चेहरा देखने के बाद ही खर्च किया जाए। अब बाजार में तो आपके दर्शन हो नहीं सकते थे, इसलिए हमने अशर्फियों को खर्च ही नहीं किया। अन्य दरबारियों ने भी राज पुरोहित की हां में हां मिलाई। उन सबने यही कहा कि वे अशर्फी खर्च नहीं कर पाए। लेकिन उन सबके बीच एक ओर खड़ा राजा का मंत्री मंद-मंद मुस्करा रहा था।

राजा ने जब उससे अशर्फियों के बारे में पूछा तो उसने कहा कि उसने खरीदारी कर ली है। सब लोग मंत्री को आश्चर्य से देखने लगे। मंत्री ने कहा महाराज आपने ही कहा था न कि आपको देखकर ही खरीदारी करूं इन अशर्फियों पर आपका चित्र अंकित है इसलिए आपकी शर्त के मुताबिक मैंने इन पर आपका चेहरा देखकर आपको प्रणाम करके सारी खरीदारी कर ली है। राजा ने मंत्री की पीठ ठोंकी और सबसे कहा आप लकीर का फकीर न बनें। कोई भी काम करने में अपनी विवेकबुद्धि का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। इससे आपको सफलता मिलेगी।

जान से प्यारा

अपनी जान से प्यारा कुछ नहीं हमेशा की तरह उस दिन भी अकबर व बीरबल बातचीत करने में मशगूल थे। अचानक बादशाह ने पूछा, ''बीरबल! किसी भी इन्सान को सबसे प्यारा क्या होता है ?''

बीरबल ने तुरन्त उत्तर दिया, ''हुजूर ! हर प्राणी को अपनी जान से प्यारा और कुछ नहीं होता।''

''क्या तुम इसे सिद्ध कर सकते हो ?'' बादशाह ने पूछा।

''हाँ, क्यों नहीं।'' बीरबल का जवाब था।

कुछ दिन बाद बीरबल एक बन्दर का बच्चा लेकर आया, बच्चे की माँ भी साथ थी।

महल में बगीचे के ठीक बीचोबीच एक तालाब बना था। बीरबल ने नौकरों से कहा कि तालाब खाली कर दें। उसने यह भी कहा कि खाली तालाब के बीच में एक लंबा बाँस गाड़ दें। इसके बाद बीरबल ने उस बन्दर के बच्चे और उसकी माँ को खाली तालाब में छुड़वा दिया और नौकरों को आदेश दिया कि तालाब को फिर से पानी से धीरे-धीरे भर दें।

बादशाह यह सबकुछ बेहद ध्यानपूर्वक देख रहे थे।

जैसे-जैसे पानी का स्तर बढ़ रहा था, वैसे-वैसे बंदरिया अपने बच्चे को सीने से चिपकाए तालाब के बीच गड़े बांस पर ऊपर चढ़ती जा रही थी।

अब पानी का स्तर इतना बढ़ चुका था कि बंदरिया की कमर तक आ पहुंचा था। बंदरिया ने अपने बच्चे को अपने हाथों में पकड़ा और बांस के सबसे ऊपरी सिरे पर जा बैठी।

यह देखकर बादशाह बोले, ''देखा बीरबल ! बंदरिया अपने बच्चे की जान बचाने के लिए कितनी मेहनत कर रही है। इसका मतलब तो यह हुआ कि बच्चे की जान इसे अपनी जान से कहीं ज्यादा प्यारी है।''

इस बीच पानी का स्तर बढ़कर बंदरिया की गर्दन तक आ पहुँचा था। यहां तक कि उसके नाक-कान में भी पानी भरने लगा था। लगता था कि कुछ ही देर में वह पानी में डूब जाएगी।

कुछ देर बंदरिया ने इधर-उधर ताका और उसके बाद बच्चे पर पैर रखकर खड़ी हो गई। अब वह अपने बच्चे के ऊपर खड़ी पानी से बाहर आने की चेष्टा कर रही थी।

''अब देखिए जहांपनाह।'' बीरबल बोला, ''यह बंदरिया अपनी जान बचाने के लिए अपने बच्चे तक की परवाह नहीं कर रही। बच्चे को अपने पैरों तले डालकर अपनी जान बचाने की कोशिश में है। क्या यह सब सिद्ध नहीं करता कि अपनी जान सबसे यादा प्यारी होती है।''

बादशाह से कोई जवाब देते न बन पड़ा।

वह बोले, ''बीरबल ! तुम ठीक ही कहते थे, जीवन सभी को प्यारा होता है।

बीरबल मुस्कराया और नौकरों को निर्देश दिया कि पानी का स्तर कम कर दें ताकि बंदरिया और उसके बच्चे को बाहर निकाला जा सके।

किस्सा मुल्ला नसीरुद्दीन का

बच्चों मुल्ला नसीरुद्दीन को उनकी बुद्धिमानी एवं हाजिर जवाबी के लिए जाना जाता है। एक बार मुल्ला नसीरुद्दीन ने एक आदमी से कुछ उधार लिया लेकिन समय पर मुल्ला नसीरुद्दीन ने उसका उधार नहीं चुकाया तो आदमी ने इसकी शिकायत बादशाह को कर दी। तब मुल्ला नसीरुद्दीन को दरबार में बुलाया गया।

मुल्ला के दरबार में पहुंचने के बाद उस आदमी ने बताया कि मुल्ला ने मुझसे बहुत समय पहले 500 दीनार बतौर कर्ज लिया था। लेकिन उसने अभी तक मुझे मेरी दीनार वापस नही की है। मेरी दरख्वास्त है कि मुझे मेरा उधार वापस करा दिया जाए। मुल्ला ने उस आदमी की पूरी बात सुनी और फिर बोला कि हुजूर मैं मानता हूं कि मैने इससे 500 दीनार बतौर उधार लिया था और मैं उसे चुकाने का भी मन बना चुका हूं इसके लिए यदि जरूरत पड़ी तो मैं अपनी गाय और घोड़ा भी बेच दूंगा। इतना सुनते ही वो आदमी बोला हुजूर ये झूठ बोल रहा है इसके पास न तो गाय है और न ही घोड़ा इसके पास तो एक फूटी कोड़ी भी नहीं है यहां तक के इसके पास तो खाने को भी नही है कुछ। बस इतना सुनते ही मुल्ला बोला देखिए हुजूर जब ये सब जानता है कि मेरे पास खाने तक को कुछ नहीं है तो मैं इसका उधार कैसे चुका पाऊंगा।

यह सुनने के बाद बादशाह ने मामले को रफा दफा कर दिया और एक बार फिर मुल्ला नसीरुद्दीन अपनी हाजिर जवाबी से बच निकला।

रेल टिकट

राम और श्याम दो मित्र थे। किसी समय दोनों एक ही स्कूल में पढ़ते थे। मगर दोनों की आर्थिक स्थिति में जमीन-आसमान का फर्क था। राम के पिता एक बड़े व्यापारी थे और उनकी बदौलत राम बिना कुछ किए ही मालामाल हो गया।

कहावत है कि पैसा ही पैसे को खींचता है। राम ने भी जब पिता का व्यवसाय सँभाला तो उसकी संपत्ति दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ने लगी। वहीं दूसरी ओर श्याम के पिता अत्यंत गरीब थे। स्कूल से मिले वजीफे के सहारे श्याम ने जैसे-तैसे स्कूल की पढ़ाई पूरी की। कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के लिए श्याम को आकाश-पाताल एक करना पड़ा। मदद माँगने पर सभी रिश्ते नातेदारों ने उसे अँगूठा दिखा दिया अंत में उसने ट्यूशन लेने तथा अखबार बाँटने जैसा पार्टटाइम काम किया एवं इस तरह लोहे के चने चबाते हुए कॉलेज की फीस की व्यवस्था की एवं पूरे विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी धाक जमा दी।

राम भी पास होकर स्नातक हो गया और उसके घर में घी के दिये जलाए गए। मगर श्याम के घर ऊँट के मुँह में जीरे के बराबर तेल भी नहीं था। अत- उसने तेते पाँव पसारिये, जेती लांबी सौर वाली लोकोक्ति पर अमल करते हुए फिल्मी गीत पर डांस ही कर लिया। स्नातक होने के बाद श्याम ने नौकरी पाने के लिए दस जगह की खाक छानी। मगर कहीं भी उसकी दाल नहीं गली। अंतत- उसने बैंक से लोन लेकर एक पावरलूम मशीन डाल ली।

शुरू में इतनी कठिनाइयाँ आई मानो सिर मुँडाते ही ओले पड़ गए हों। मगर धीरे-धीरे उसका काम चल निकला जो लोग गरीबी के कारण उसकी नाक में दम किए रहते थे, उसे नीचा दिखाते रहते थे। उन्होंने भी उसकी काबिलियत का लोहा मान लिया।

राम का एक बेटा अमित था जो उसकी आँखों का तारा था। श्याम का भी एक बेटा सुमित था जो कि उसके कलेजे का टुकड़ा था। संयोग से दोनों मित्रों के ये पुत्र एक ही स्कूल में पढ़ते थे। उनकी मित्रता देखकर लोग दंग रह जाते थे कि कहाँ राजा भोज और कहाँ गंगू तेली। मगर मित्रता अमीरी-गरीबी नहीं देखती।

एक दिन अमित के मामा का फोन आया। उन्होंने उसे घूमने के लिए शहर बुलाया था। अमित ने सुमित को भी अपने साथ चलने के लिए तैयार कर लिया। नियत दिन अमित के पिता राम अमित व सुमित को रेलवे स्टेशन छोड़ने आए। जिसके पास बिना मेहनत का यादा पैसा होता है उसकी धन कमाने और बचाने की लालसा बढ़ती ही जाती है। अमित के पिता ने भी दोनों मित्रों को बिना टिकट रेल में बैठाकर समझाया कि किस तरह शहर पहुँचकर उन्हें स्टेशन के एक छोर पर स्थित टूटी हुई ग्रिल के रास्ते से बाहर निकलना है कि टिकिट चेकर से बचा जा सके। अमित के पिता के जाते ही उसने अमित को खूब खरी-खोटी सुनाई

उसे उसके पिता के दिए संस्कारों ने बिना टिकट यात्रा करने की अनुमति नहीं दी। दोनों मित्रों ने अगला कदम तय किया और भागकर टिकट खिड़की पहुँच गए। वहाँ यात्रियों की इतनी लंबी कतार लगी थी मानो कि एक अनार सौ बीमार जैसे-तैसे टिकट लेकर वे रेल में सवार हुए। थोड़ी ही देर बाद एक व्यक्ति ने उनसे पूछा कि बेटा मिठाई खाओगे। मिठाई देखकर सुमित के मुँह में पानी आ गया। उसने हाथ आगे बढ़ाया था कि अमित ने उसका हाथ खींच लिया। फिर धीरे से कानाफूसी करते हुए समझाया कि यात्रा में किसी भी अजनबी से लेकर कोई चीज खाना-पीना नहीं चाहिए।

ऐसे लोग बदमाश हो सकते हैं जो अपना जाल बिछाकर सहयात्रियों को बेहोश करके लूट लेते हैं। ऐसे लोगों के मुँह में राम तथा बगल में छुरी होती है।

शहर पहुँचने के बाद दोनों मित्र स्टेशन के बाहर सिर उठाकर पूरी निडरता के साथ आए क्योंकि जेब में टिकट जो रखा था। बाद में इस घटना का पता चलने पर अमित के पिता शर्म से पानी-पानी हो गए। वहीं सुमित के पिता को उस पर बहुत गर्व हुआ। किसी ने ठीक ही कहा है कि साँच को आँच नहीं। अर्थात सच्चे मनुष्य को कोई हानि नहीं पहुँचा सकता।

बर्थडे गीत कहां से आय

यह गीत सबसे पहले 'गुड मॉर्निंग टू ऑल' शीर्षक से तैयार हुआ था परंतु बाद में पहले छंद की दूसरी पंक्ति 'हैप्पी बर्थ डे' को इस गीत की शीर्षक पंक्ति बनाया गया। यह गीत 1893 में पैट्टी स्मिथ हिल ने लिखा था और इसका संगीत मिल्ड्रेड जे हिल ने तैयार किया था। इन दोनों ने यह गीत अपने सांग स्टरीज फॉर द किंडर गार्डन के एक भाग के लिए तैयार किया था। 1935 तक यह गीत पुराने शीर्षक से ही बजता रहा।

गुलाम हैदर को भारत आने का जल्द मिल सकता है वीजा, खुलेगी सीमा की पोल

-सीमा हैदर के खिलाफ भारतीय अदालतों में दर्ज कराएंगे अपना बयान

इस्लामाबाद। गैरकानूनी तरीके से नेपाल के रास्ते भारत आई सीमा हैदर का पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर भारत आने के प्रयास में है। गुलाम ने कहा था कि वह 10 जून तक भारत आएगा लेकिन वह नहीं आ सका। अब गुलाम ने बताया है कि उसने वीजा प्रक्रिया को पूरा कर लिया है और जल्द ही अपने बच्चों से मिलने भारत जाएंगे और सीमा हैदर की खोलेंगे पोल। अंसार बर्नी ट्रस्ट ने गुलाम की मदद करते हुए भारत में मोमिन मलिक को उसका वकील बनाया था। गुलाम ने कहा कि जल्द ही भारत जाने की तारीख भी तय हो जाएगी। गुलाम ने कहा कि कुछ और लोग भी उनके साथ जाना चाहते थे लेकिन फिलहाल वह अकेले ही भारत जाएंगे। गुलाम ने कहा उसे भारत जाने की तारीख आने का इंतजार है ताकि वह भारत की अदालतों में सीमा के खिलाफ गवाही दे सके। एक महीने तक गुलाम को भारत में रहने का मौका मिल सकता है। ट्रस्ट ने कहा है कि उनको उम्मीद है कि वीजा मिल जाएगा क्योंकि ऐसी कोई वजह नहीं है, जिसको आधार बनाकर वीजा ना दिया जाए। ट्रस्ट की ओर से ये भी कहा गया है कि वकील मोमिन मलिक ने कई सारे मामले सीमा पर लगाए हैं। इन मामलों में गुलाम का बयान जरूरी है और उनको वहां जाकर अपना पक्ष रखने का मौका मिलना चाहिए।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री का बयान.... तहरीक-ए-तालिबान के खिलाफ एक्शन लेगी सेना

लौहार (ईएमएस)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के बीच तनाव दिख रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि सेना के सैन्य अभियान ऑपरेशन आजम-ए-इस्तेहकाम के तहत तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है। रक्षा मंत्री आसिफ ने पाकिस्तान के कई नेताओं के टीटीपी के साथ बातचीत की संभावना को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि टीटीपी के साथ बातचीत का कोई आधार नहीं है। एक साक्षात्कार में आसिफ ने कहा कि यह सैन?य अभियान चलाने का फैसला किसी हड़बड़ी में नहीं लिया गया है। उनका यह बयान उस समय पर आया है जब इमरान की पार्टी ने खुलकर सैन्य अभियान चलाने का विरोध किया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस सैन्य अभियान को लेकर राजनीतिक दलों की चिंताओं को दूर किया जाएगा। साथ ही उनके हर सवाल का जवाब भी दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस सैन्य अभियान का उद्देश्य सीमा के पास टीटीपी के ठिकानों को निशाना बनाना है। आसिफ ने कहा कि देश की एकजुटता से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है। उन्होंने अफगानिस्तान के अंदर आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने को न्यायोचित बताकर दलील दी कि यह अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन नहीं करेगा। आसिफ ने कहा कि इसकी वजह यह है कि अफगानिस्तान से पाकिस्तान में आतंकवाद का निर्यात हो रहा है। उन्होंने कहा कि इमरान खान ने 4000 स्लीपर सेल के सदस्यों को आने दिया जो अब पाकिस्तान में अशांति फैला रहे हैं।

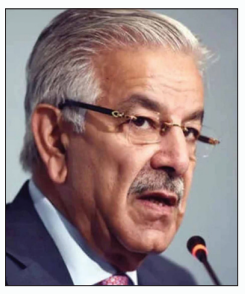

भविष्य में धूम्रपान से भी ज्यादा जोखिम है डिमेंशिया, -हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा, डायबिटीज, शिक्षा और धूम्रपान है प्रमुख जोखिम

वाशिंगटन। धूम्रपान से भी ज्यादा जोखिम भविष्य में डिमेंशिया (मनोभ्रंश रोग) के मामलों को बढ़ा सकता है। हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा, डायबिटीज, शिक्षा और धूम्रपान समेत आनुवंशिक (जेनेटिक) और पर्यावरणीय कारकों का मिलना मनोभ्रंश रोग के लिए प्रमुख जोखिम फैक्टर है। यह खुलासा हुआ एक ताजा अध्ययन में। शोधकर्ताओं ने कहा, यूरोप और अमेरिका में भी धूम्रपान के स्तर में कमी आई है, क्योंकि यह सामाजिक रूप से अब कम स्वीकार्य होने के साथ ज्यादा महंगा हो गया है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (यूसीएल) के शोधकर्ताओं ने पता लगाया कि समय के साथ इन जोखिमों के प्रसार में किस प्रकार परिवर्तन आया है। शोधकर्ताओं की टीम ने 1947 और 2015 के बीच जुटाए गए आंकड़ों और 2020 में प्रकाशित लेटेस्ट शोधपत्र के आधार पर विश्व स्तर पर मनोभ्रंश से पीड़ित लोगों से जुड़े 27 शोधपत्रों का विश्लेषण किया। परिणामों से पता चला कि निम्न शिक्षा और धूम्रपान करने वालों की संख्या में समय के साथ कमी की वजह से डिमेंशिया (मनोभ्रंश रोग) की दरों में गिरावट आई है। समय के साथ मोटापे और डायबिटीज की दरें बढ़ी हैं। साथ ही मनोभ्रंश के जोखिम में भी इनका योगदान बढ़ा है। ज्यादातर अध्ययनों में हाइपरटेंशन (हाई ब्लड प्रेशर) सबसे बड़ा डिमेंशिया (मनोभ्रंश रोग) का कारण बनकर उभरा है। यूसीएल साइकियाट्री की प्रमुख लेखिका नाहिद मुकदम ने कहा, समय के साथ हृदय संबंधी जोखिम ने डिमेंशिया (मनोभ्रंश रोग) के जोखिम को और अधिक बढ़ा दिया है। इसलिए भविष्य में मनोभ्रंश की रोकथाम के प्रयासों के लिए इन पर ज्यादा ध्यान देकर कार्रवाई करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का स्तर समय के साथ कई उच्च आय वाले देशों में बढ़ा है। जिसका मतलब है कि यह डिमेंशिया (मनोभ्रंश रोग) का कम महत्वपूर्ण जोखिम कारक बन गया है।

शराब के कारण सालाना होती है 30 लाख लोगों की मौतें, -डब्ल्यूएचओ ने कहा- हाल के वर्षों में मौतों में आई है कुछ कमी

जिनेवा। शराब की वजह से हर साल करीब 30 लाख लोगों की मौत होती है। हाल के वर्षों में मृत्यु दर में थोड़ी कमी आई है, लेकिन यह 'अस्वीकार्य रूप से उच्च' बनी हुई है। यह कहना है विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का। इस बारे में डब्ल्यूएचओ की नवीनतम रिपोर्ट में कहा गया है कि शराब की वजह से हर साल दुनिया भर में 20 में से करीब एक मौत होती है, जिसमें शराब पीकर गाड़ी चलाना, शराब के कारण हिंसा और दुर्व्यवहार और कई तरह की बीमारियां और विकार शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2019 में शराब के सेवन से 2.6 मिलियन मौतें हुईं - नवीनतम उपलब्ध आंकड़े - जो उस साल दुनिया भर में हुई सभी मौतों का 4.7 प्रतिशत है। इसमें कहा गया है कि इनमें से करीब तीन-चौथाई मौतें पुरुषों की थीं। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने कहा, पदार्थों का सेवन व्यक्तिगत स्वास्थ्य को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है। पुरानी बीमारियों, मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के जोखिम को बढ़ाता है और दुखद रूप से हर साल लाखों लोगों की मृत्यु को रोकता है। उन्होंने बताया कि 2010 से दुनिया भर में शराब के सेवन और उससे होने वाले नुकसान में कुछ कमी आई है। उन्होंने कहा, लेकिन शराब के सेवन के कारण स्वास्थ्य और सामाजिक बोझ अस्वीकार्य रूप से उच्च बना हुआ है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि युवा लोग असमान रूप से प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट में पाया गया कि 2019 में इसके कारण हुई सभी मौतों में से अनुमानित 1.6 मिलियन गैर-संचारी रोगों से थीं। इनमें से 474,000 हृदय संबंधी बीमारियों से, 401,000 कैंसर से और 724,000 लोग यातायात दुर्घटनाओं और खुद को नुकसान पहुंचाने सहित चोटों से थे। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि 2019 में शराब के कारण होने वाली मौतों का उच्चतम अनुपात - 13 प्रतिशत - 20 से 39 वर्ष की आयु के लोगों में था। शराब पीने से कई तरह की स्वास्थ्य स्थितियां जुड़ी हुई हैं, जिनमें लीवर का सिरोसिस और कुछ कैंसर शामिल हैं।

तेहरान में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में इब्राहिम रईसी की मृत्यु के बाद इब्राहिम रईसी के उत्तराधिकारी को चुनने के लिए त्वरित राष्ट्रपति चुनाव में शुक्रवार को मतदान केंद्र पर वोट देने के लिए कतार में खड़ी ईरानी महिलाएं।

वर्जीनिया की चुनावी रैली में ट्रंप ने डिबेट में अपने प्रदर्शन का मनाया जश्न

वाशिंगटन। अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। यहां प्रेसिडेंशियल डिबेट जारी है। डिबेट में डोनाल्ड ट्रंप ने जो बाइडन पर निशाना साधा। इसके बाद वर्जीनिया में आयोजित एक चुनावी रैली में ट्रंप ने डिबेट में अपने प्रदर्शन का जश्न मनाया। अपने भाषण में ट्रंप ने कई मुद्दों पर बाइडन को घेरा। उन्होंने बाइडन से कहा कि देश उन्हें नहीं चाहता और यहां से भाग जाओ। उन्होंने कहा कि बाइडन राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर नहीं निकल रहे हैं। ट्रंप ने कहा, कल रात के प्रदर्शन के बाद कई लोग कह रहे हैं कि जो बाइडन दौड़ से बाहर हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि मैं ऐसा नहीं मानता। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि बाइडन से डिबेट के मॉडरेटर मिले हुए थे। जिसका अर्थ है कि बाइडन बहस में हेराफेरी करने की कोशिश कर रहे थे। ट्रंप ने अप्रवासियों द्वारा अश्वेत और हिस्पैनिक अमेरिकियों से नौकरियां छीनने के बारे में निराधार आरोप लगाए। बाइडन ने यह याद दिलाए जाने पर कि ट्रम्प के पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ जॉन केली ने कहा था कि ट्रंप ने मृत सैन्य दिग्गजों को मूर्ख और असफल कहा था। ट्रंप ने आरोप से इनकार किया और केली का अपमान करते हुए उन्हें उनमें से सबसे मूर्ख और एक खोई हुई आत्मा बताया।

चीन के एयरपोर्ट पर अडानी का कब्जा ! नेपाल ने भारत से निभाई दोस्ती, जिनपिंग के उड़े होश

नई दिल्ली (एजेंसी)। अडानी ग्रुप बड़े स्तर पर दुनिया में छाया हुआ है और अब बारी एयरपोर्ट्स की है। खबर है कि नेपाल के एयरपोर्ट्स को अडानी टच मिलने वाला है। बड़ी बात ये है कि नेपाल में जिस एयरपोर्ट को चीन ने बनाया वो एयरपोर्ट भी अडानी ग्रुप संचालित करने जा रहा है। माना जाता है कि पिछले साल भारत की यात्रा के दौरान, नेपाल के प्रधान मंत्री पुष्प कुमार दहल प्रचंड ने नवनिर्मित हवाई अड्डों के प्रबंधन के लिए भारत से मदद मांगी थी। नेपाली अधिकारी अपने तीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के प्रबंधन के लिए भारतीय अरबपति समूह अडानी एंटरप्राइजेज के शीर्ष अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। बहुराष्ट्रीय सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध होल्डिंग कंपनी अडानी समूह का हिस्सा है। नेपाली सूत्रों ने कहा कि अडानी एंटरप्राइजेज की सहायक कंपनी अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड

(एएएचएल) के वरिष्ठ अधिकारी नेपाली एजेंसी के निमंत्रण पर काठमांडू में नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएएन) के साथ शुरुआती दौर की वार्ता कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि बैठकें जनवरी से हो रही हैं जब समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने 'वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन' के मौके पर राज्य के वित्त मंत्री राम शरण महत के साथ एक बैठक के दौरान नेपाल के हवाई अड्डे और ऊर्जा क्षेत्रों में निवेश करने में रुचि व्यक्त की थी। हालांकि, अडानी के अधिकारियों ने अभी तक इस मामले पर अंतिम फैसला नहीं किया है, जब तक कि समूह हवाई अड्डों के संचालन की व्यवहार्यता का आकलन नहीं कर लेता। नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने वैश्विक निविदा के माध्यम से कम से कम तीन हवाई अड्डों - पोखरा क्षेत्रीय अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (पीआरआईए), गौतम बुद्ध अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (जीबीआईए) और त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (टीआईए) के संचालन को तीसरी कंपनी को आउटसोर्स करने का निर्णय लिया है।

मई 2022 में उद्घाटन भैरहवा में गौतम बुद्ध अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण चीन के नॉर्थवेस्ट सिविल एविएशन एयरपोर्ट कंस्ट्रक्शन ग्रुप द्वारा किया गया था। इसे एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और अंतर्राष्ट्रीय विकास के लिए ओपेक फंड द्वारा वित्त पोषित किया गया है। दूसरी ओर, पिछले जनवरी में उद्घाटन किए गए पोखरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण चीन के निर्यात-आयात बैंक से 215 मिलियन डॉलर के ऋण की मदद से किया गया था। इसका निर्माण चाइना सीएएमसी इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड ने किया है। पोखरा हवाई अड्डे को नेपाल में चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत निर्मित प्रमुख परियोजना के रूप में वर्णित किया गया है।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने क्यों कि नेहरु को याद

-पंचशील के सिद्धांतों पर कही ये बात

बीजिंग (एजेंसी)। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने वर्तमान समय के संघर्षों के अंत के लिए पंचशील के सिद्धांतों की प्रासंगिकता को रेखांकित कर पश्चिमी देशों के साथ चीन के संघर्षों के बीच 'ग्लोबल साउथ' में अपने देश का प्रभाव बढ़ाने पर जोर दिया। विदेश मंत्रालय के अनुसार पंचशील के सिद्धांतों को पहली बार औपचारिक रूप से 29 अप्रैल, 1954 को तिब्बत क्षेत्र के बीच व्यापार व संबंध को लेकर चीन और भारत के बीच हुए समझौते में शामिल किया गया था। चीन में इस शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांत जबकि भारत में पंचशील का सिद्धांत कहा जाता है।

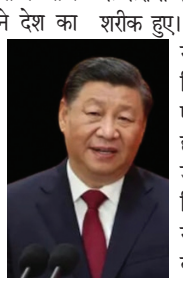

तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एनलाई जब सीमा मुद्दे का समाधान खोजने में विफल रहे थे तब उन्होंने पंचशील के सिद्धांतों पर सहमति जाहिर की थी। शी ने कहा, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांतों ने समय की मांग को पूरा किया और इनकी शुरुआत एक अपरिहार्य ऐतिहासिक घटनाक्रम था।

शी ने सम्मेलन को संबोधित कर कहा, चीन-भारत और चीन-म्यामांर संयुक्त वक्तव्यों में पांच सिद्धांतों को शामिल किया था। इन वक्तव्यों में पांच सिद्धांतों को द्विपक्षीय संबंधों के लिए बुनियादी मानदंड बनाने का आह्वान किया गया था। सम्मेलन में श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे सहित चीन क करीबी देशों के नेता और अधिकारी शरीक हुए। शी ने कहा कि शांतिपूर्ण सहअस्तित्व के पांच सिद्धांतों की शुरुआत एशिया में हुई, लेकिन जल्द ही ये विश्व मंच पर छा गए। उन्होंने कहा कि पंचशील सिद्धांत आज अंतरराष्ट्रीय समुदाय की समान संपत्ति बन चुके हैं।

उन्होंने कहा कि 1955 में बांडुंग सम्मेलन में 20 से अधिक एशियाई और अफ्रीकी देशों ने भाग लिया था। उन्होंने कहा कि 1960 के दशक में उभरे गुटनिरपेक्ष आंदोलन ने भी इन सिद्धांतों को मार्गदर्शक सिद्धांत के तौर पर अपनाया। अमेरिका और यूरोपीय संघ से बढ़ती रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का सामना कर हाल के वर्षों में एशियाई, अफ्रीकी और लातिन अमेरिकी देशों में अपना प्रभाव बढ़ाने की जुगत में लगे चीन का भारत और अन्य विकासशील देशों के साथ संघर्ष हुआ है। इन देशों को मोटे तौर पर 'ग्लोबल साउथ' कहा जाता है।

हूती विद्रोहियों ने एक पोत पर मिसाइल हमले किए

लंदन। यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से गुजर रहे एक पोत पर मिसाइल हमले किए। ब्रिटिश सेना के समुद्री व्यापार संचालन केंद्र ने यह जानकारी दी। हूती विद्रोही वर्तमान में समुद्री मार्ग पर पोतों को कई बार निशाना बना चुके हैं। 'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन' (यूकेटीएमओ) केंद्र ने बताया कि विद्रोहियों के कब्जे वाले बंदरगाह शहर होदेदा के तट से गुजर रहे पोत के पास पांच मिसाइल गिरीं। यूकेटीएमओ ने बताया कि हमलों में पोत को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने दावा किया था कि हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में पोतों पर दो हमले किए हैं, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यूकेटीएमओ ने किस पोत पर हुए हमले के बारे में बताया है। विद्रोहियों ने मिसाइल और ड्रोन हमलों के जरिए अब तक 60 से अधिक पोत को निशाना बनाया है और इन हमलों में चार नाविक मारे गए हैं। हूती विद्रोहियों के खिलाफ अमेरिका के नेतृत्व में जनवरी से कई हवाई हमले किए गए हैं। विद्रोहियों के अनुसार, 30 मई को हुए हमले में करीब 16 लोगों की मौत हुई थी और 42 अन्य घायल हुए थे।

रूस-यूक्रेन जंग खत्म करने की बना रहे हैं योजना : जेलेंस्की

कीव (एजेंसी)। यूक्रेनी राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने कहा, हमारे लिए युद्ध को खत्म करने की एक योजना बनाना बहुत महत्वपूर्ण है, जिसका दुनिया के अधिकांश देशों द्वारा समर्थन किया जाना चाहिए। यह एक कूटनीतिक रास्ता है जिस पर हम काम कर रहे हैं। इससे पहले ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ की शिखर सम्मेलन में, ज़ेलेंस्की ने कहा था कि वह युद्ध को खत्म करने के लिए कुछ ही महीनों में एक विस्तृत योजना पेश करेंगे। सैनिकों और नागरिकों के बीच मौत के बढ़ते आंकड़ों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, हमारे पास बहुत ज्यादा समय नहीं है।

ज़ेलेंस्की और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सार्वजनिक बयानों को देखे तो शांति समझौते की शर्तों के मामले में दोनों देश अब भी एक-दूसरे से बिलकुल अलग नज़र आते हैं। शांति समझौते को लेकर यूक्रेन ने बार-बार कहा है कि बातचीत शुरू होने से पहले रूस को अपने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त क्षेत्र से अपने सैनिकों को वापस बुलाना होगा। ज़ेलेंस्की ने इस महीने की शुरुआत में स्विट्जरलैंड में एक अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन की मेजबानी की थी। इस सम्मेलन में रूस को नहीं बुलाया गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य यूक्रेन के लिए समर्थन जुटाना ही था। 90 से अधिक देशों ने इस दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में भाग लिया। अधिकतर देशों ने एक विज्ञप्ति पर सहमति भी जताई, जिसमें किसी भी समझौते में यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की जरूरत पर जोर दिया गया। लेकिन भारत जैसे कुछ प्रमुख देश सहमत नहीं हुए और रूस के सहयोगी चीन जैसे कुछ और देशों ने रूस को आमंत्रित नहीं किए जाने के विरोध में शिखर सम्मेलन का बहिष्कार किया था।

नासा ने बढ़ाई स्टारलाइनर मिशन की अवधि, अभी धरती पर नहीं लौटेंगी सुनीता

-अंतरिक्ष यात्रियों के स्पेसवॉक में भी आ रही हैं दिक्कतें

वॉशिंगटन (एजेंसी)। नासा की भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और एक अन्य साथी स्पेस में फंसे हुए हैं। सुनीता बोइंग स्टारलाइनर के जरिए वह अपने साथी बुच विल्मोर के साथ स्पेस स्टेशन गई थीं और बोइंग कैप्सूल में खराबी के कारण वह वहां फंस गई।

नासा ने अब कहा है कि उसके दोनों अंतरिक्ष यात्री ज्यादा समय तक स्पेस में ही रहेंगे। क्योंकि इंजीनियर बोइंग कैप्सूल में आई खराबी को सुधारने का काम जारी है। नासा ने जमीन पर परीक्षण पूरा होने तक वापसी की तारीख तय नहीं की और कहा कि अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित हैं। नासा के

स्टीव स्टिच ने कहा कि हमें अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाने की कोई जल्दी नहीं है। उन्होंने कहा कि नासा स्टारलाइनर के मिशन की अवधि को 45 से बढ़ाकर 90 दिन करने पर विचार कर रहा है।

बता दें पांच जून को दोनों अंतरिक्ष यात्री बोइंग स्टारलाइनर कैप्सूल में सवार होकर अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन के लिए रवाना हुए थे। सालों की देरी और असफलताओं के बाद बोइंग का यह पहला अंतरिक्ष यात्री लॉन्च था। यह टेस्ट फ्लाइट करीब एक सप्ताह चलने की उम्मीद थी। विल्मोर और विलियम्स के लिए स्टेशन से जुड़ने के दौरान कैप्सूल की जांच के लिए पर्याप्त समय था लेकिन कैप्सूल के थ्रस्टर में खराबी के कारण नासा और बोइंग को समस्या का विश्लेषण करते समय वापसी की उड़ान में देरी करनी पड़ी।

नासा को अंतरिक्ष यात्रियों के स्पेसवॉक में भी दिक्कतें आ रही हैं। इसी सप्ताह एक अंतरिक्ष यात्री के स्पेससूट से पानी लीक होने के बाद स्पेसवॉक रद्द कर दी गई। समस्या का समाधान नहीं हुआ है और अगले सप्ताह की प्रस्तावित स्पेसवॉक भी रद्द कर दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक स्टारलाइनर की उड़ान से पहले रॉकेट में हीलियम लीक देखने को मिला था। उड़ान के दौरान कई और रिसाव देखे गए। हीलियम का इस्तेमाल थ्रस्टर्स के लिए ईंधन पर दबाव डालने के लिए किया जाता है। पांच फेल थ्रस्टर्स में से चार को ठीक कर लिया गया है। एक थ्रस्टर के ठीक होने की उम्मीद नहीं है।

पाकिस्तान को अब हथियार देगा अमेरिका? बिना तैयारी कर दिया सैन्य ऑपरेशन का एलान, फंसने पर लगा गिड़गिड़ाने

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अगर लंबे समय तक खाई को घूरेंगे तो खाई भी आपको घूरने लगेगी।' जर्मन दार्शनिक नीत्शे का एक क्योट है। डेढ़ सौ साल पहले कही गई ये बात अब हमारे पड़ोस में साकार हो रही है। पाकिस्तान तालिबान को घूर रहा है, लेकिन क्यों ? क्योंकि तालिबान की परछाई उसके अपने घर में आकार ले रही है। पाकिस्तान वैसे तो आतंकवाद को पालने वाला देश माना जाता है टीटी के आतंक से परेशान होकर देश में आतंकवाद खत्म करने के लिए एक सैन्य अभियान चलाने का ऐलान किया है। लेकिन इस अभियान में पाकिस्तान कामयाब होता हुआ नहीं दिख रहा है।

हाल ही में पाकिस्तान की सरकार ने नाम की सैन्य अभियान को मंजूरी दी है। पाकिस्तान की सरकार का कहना है कि इस सैन्य अभियान का उद्देश्य टीटीपी और दूसरे आतंकी गुटों से लड़ना है। शहबाज शरीफ के कार्यालय की ओर से इसकी घोषणा कर दी गई है। लेकिन ऐसा लगता है कि पाकिस्तान ने इसकी अभी पूरी तरह से तैयारी नहीं की है। ऑपरेशन अज्म-ए-इस्तेकाम (स्थिरता का संकल्प) के ऐलान के तुरंत बाद से ही अमेरिका से हथियारों की मांग शुरू कर दी है। पाकिस्तान ने अमेरिका से छोटे हथियार की मांग की है।

पाकिस्तानी मीडिया संस्थान जियो न्यूज के मुताबिक अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत मुसुद खान ने वाशिंगटन डीसी में विलशन सेंटर के एक कार्यक्रम में कहा कि ऑपरेशन अज्म-ए-इस्तेकाम (स्थिरता का संकल्प) की सफलता सुनिश्चित करने के लिए उनके देश को छोटे हथियारों और दूसरे आधुनिक सैन्य उपकरणों की आवश्यकता है। मुसुद खान ने ये भी कहा कि पाकिस्तान और अमेरिका को अपने संबधों को मजबूत करने के लिए दूसरे मोर्चे के साथ भी खुफिया सहयोग भी बढ़ाना चाहिए। इसके साथ ही सैन्य प्लेटफॉर्मों की बिक्री फिर से शुरू करनी चाहिए। यह क्षेत्रीय सुरक्षा और आतंकवाद को रोकने के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है।

बिहार में एक के बाद एक बह रहे पुल

11 दिन में 5 पुलों ने ली जल समाधि

नई दिल्ली। (एजेंसी)

बिहार में एक के बाद एक पुल जल समाधि ले रहे है। पिछले 11 दिनों में 5 पुल गिर गए। ताजा मामला मधुबनी का है। इस इलाके के भूतही नदी पर निर्माणाधीन पुल का गर्डर (बीम) गिर गया। करीब तीन करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस पुल का निर्माण चार वर्षों से हो रहा है। कुल 75 मीटर लंबी निर्माणाधीन पुल का 25 मीटर हिस्सा धराशायी हो गया।

27 जून को (कल ही) किशनगंज जिले में एक पुल गिर गया था। किशनगंज के जिलाधिकारी तुषार सिंगला ने बताया कि बहादुरगंज प्रखंड में स्थित यह पुल 70 मीटर लंबा और 12 मीटर चौड़ा था. यह पुल 2011 में कनकई नदी को महानंदा से जोड़ने वाली एक छोटी सहायक नदी मड़िया पर बनाया गया था।

कुछ दिनों पहले 22 जून को सीवान जिले में एक छोटा पुल ढह गया था। इससे पहले बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में 23 जून को एक निर्माणाधीन छोटा पुल ढह गया था। यह घटना मोतिहारी के घोड़ासहन प्रखंड में हुई। अमवा गांव को प्रखंड के अन्य क्षेत्रों से जोड़ने के लिए राज्य के ग्रामीण निर्माण विभाग (आरडब्ल्यूडी) द्वारा नहर पर 16 मीटर लंबा पुल बनाया जा रहा था। 22 मार्च 2024 को सुपौल में कोसी नदी पर निर्माणाधीन बकौर-भेजा घाट पुल ढह गया था। भारत माला योजना के तहत इसका निर्माण हो रहा था। 1200 करोड़ रुपये की लागत से इसका निर्माण किया जा रहा था। बकौर-भेजा घाट पुल सामरिक नजरिए से भी बेहद अहम है। इसी तरह 4 जून 2023 को सुल्तानगंज से खगड़िया के अगुवानी गंगा घाट पर निर्माणाधीन पुल के पिलर नंबर 10, 11 और 12 अचानक गिरकर नदी में बह गए थे। 19 मार्च 2023 को बिहार के सारण जिले में एक पुल गिर गया था। बताया जाता है कि यह पुल अंग्रेजों के जमाने का था। बाढ़ के बाद पुल जर्जर हो गया था और कई जगहों पर दरारें आ गईं थीं। विभाग के लापरवाही के कारण यह पुल गिर गया। जर्जर पुल को लेकर विभाग की ओर से कोई चेतावनी भी जारी नहीं की गई थी। 19 फरवरी 2023 को पटना के बिहटा में सरमेरा में फोन लेन पुल गिर गया था। वहीं बिहार के दरभंगा जिले के कुशेश्वर स्थान में कमला बलान नदी के सबोहल घाट पर ओवरलोड ट्रक की चपेट में आने से पुल गिर गया था। 15 मई 2023 को पूर्णिया में एक बड़ा हादसा हुआ था। यहां एक पुल का एक बॉक्स ढलाई के दौरान गिर गया था। जुलाई 2022 में बिहार के कटिहार जिले में भी एक निर्माणाधीन पुल गिर गया था और पुल गिरने से 10 मजदूर घायल हो गए थे। 18 नवंबर 2022 को बिहार के नालंदा जिले में एक निर्माणाधीन पुल गिर गया था। पुल गिरने से 1 की मौत हो गई थी। बाताया जाता है कि यह पुल घटिया निर्माण के कारण गिर गया था। 9 जून 2022 को बिहार के सहरसा में एक पुल गिरने से कई मजदूर घायल हो गए।

बीते रोज पानी पानी हुई दिल्ली में फिर होगी झमाझम बारिश, पंजाब-हरियाणा और यूपी अलर्ट

नई दिल्ली। (एजेंसी)

बीते रोज दिल्ली में झमाझम बारिश हुई और बीते 88 सालों का रिकॉर्ड टूट गया। मौसम विभाग ने एक जुलाई दिल्ली में भारी बारिश का अनुमान जारी किया है। मौसम का यह मिजाज़ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों सहित विभिन्न क्षेत्रों तक फैला हुआ है। आईएमडी ने शनिवार को दिल्ली में मध्यम से भारी बारिश का अनुमान लगाया है, साथ ही 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं भी चलेंगी। दिल्ली में 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया गया है।

आईएमडी ने यह भी बताया है कि दक्षिण गुजरात और उसके आस-पास के इलाकों में एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। इसके कारण केरल, लक्षद्वीप, कर्नाटक, विदर्भ, छत्तीसगढ़, कोंकण, गोवा, गुजरात और मध्य महाराष्ट्र में गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा है कि अगले 5 दिनों के दौरान मराठवाड़ा, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा, तेलंगाना, उत्तर और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा है कि 29 और 30 तारीख को छत्तीसगढ़ में अलग-अलग जगहों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। 29 जून से लेकर 3 जुलाई तक गुजरात में भी भारी बारिश हो सकती है। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश में अगले पांच दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पंजाब और उत्तर प्रदेश में भी वर्षा होने की संभावना है। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 29 और 30 जून को भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि पंजाब में 30 जून और 1 जुलाई को भारी बारिश होने का अनुमान है। 29 जून से 1 जुलाई तक हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में भी भारी बारिश की संभावना जताई है। उत्तर प्रदेश में 29 से 30 जून के बीच अलग-अलग जगहों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है, जबकि पूर्वी राजस्थान में 29 जून से 2 जुलाई तक इस मौसम का सामना करने की उम्मीद है। मध्य प्रदेश में 29 जून को भारी बारिश होने की संभावना है।

मिड डे मील योजना पर नजर: हरियाणा में निकले 4 लाख फर्जी छात्र, सीबीआई ने किया मामला दर्ज

नई दिल्ली। (एजेंसी)

हरियाणा के सरकारी स्कूलों में एडमिशन को लेकर फर्जीवाड़े के मामले में सीबीआई अब एक्शन मोड में आ गई है। 2016 में पकड़े गए चार लाख फर्जी छात्रों के मामले में एजेंसी ने एफआईआर दर्ज कर ली है।

इससे पहले सीबीआई ने सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और दावा किया था कि जांच के लिए भारी जनशक्ति की आवश्यकता हो सकती है और जांच राज्य पुलिस को दी जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने हाल ही में याचिका खारिज कर दी जिसके बाद सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की।

हाईकोर्ट को 2016 में सूचित किया गया था कि आंकड़ों के सत्यापन से पता चला है कि सरकारी स्कूलों में विभिन्न कक्षाओं में 22 लाख छात्र थे, लेकिन वास्तव में केवल 18 लाख छात्र ही पाए गए और चार लाख फर्जी दाखिले थे।

अदालत को यह भी बताया गया कि समाज के पिछड़े या गरीब तबके के छात्रों को स्कूलों और मिड डे मील योजना में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कुछ लाभ दिए जा रहे हैं। उच्च न्यायालय ने राज्य सतर्कता विभाग को चार लाख फर्जी छात्रों के नाम पर धन की संदिग्ध हेराफेरी की जांच के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी नियुक्त करने का आदेश दिया था। पीठ ने जिम्मेदारी तय करने और दोष सिद्ध होने पर कार्रवाई करने का आदेश दिया। सतर्कता ब्यूरो की सिफारिशों पर राज्य में सात एफआईआर दर्ज की गईं। हाईकोर्ट ने अपने 2019 के आदेश में कहा था कि एफआईआर दर्ज होने के बाद जांच बहुत धीमी है। इसके बाद इसने उचित और त्वरित जांच के लिए मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंप दिया।

इसने राज्य सतर्कता विभाग को 2 नवंबर 2019 को अपने आदेश के एक सप्ताह के भीतर सभी दस्तावेज सौंपने को कहा था और सीबीआई को तीन महीने के भीतर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा था।

राहुल ने हेमंत से फोन पर जमानत मिलने का किया स्वागत

- नेता प्रतिपक्ष राहुल ने कहा, राजनीतिक दुर्भावना से की गई थी गिरफ्तारी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत मिलने का स्वागत किया और उनसे फोन पर बात की। गांधी ने कहा कि सोरेन की गिरफ्तारी बदले और राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित थी। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी की गिरफतारी बदले और राजनीतिक दुर्भावना से की गई थी। उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें जमानत देने के फैसले का हम स्वागत करते हैं- सोरेन जी से फोन पर बात करके अपनी खुशी ज़ाहिर की। राहुल गांधी ने कहा कि जो संविधान की रक्षा की भावना लेकर चलते हैं, सत्य खुद उनकी रक्षा करता है। बता दें कि झारखंड उच्च न्यायालय ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को शुक्रवार को जमानत दे दी जिसके बाद उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया। अदालत ने सोरेन की जमानत याचिका पर अपना फैसला 13 जून को सुरक्षित रख लिया था। न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय की एकल पीठ द्वारा पारित आदेश में कहा गया कि याचिकाकर्ता को 50,000 रुपये के जमानती मुचलके और इतनी ही राशि की दो प्रतिभूति के साथ जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया जाता है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकारी अध्यक्ष सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन के मामले में 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था।

मणिपुर में कई विधायकों ने दिल्ली में डेरा डाला, सीएम बीरेन को छोड़ना पड़ सकती है कुर्सी

इंफाल। (एजेंसी)

मणिपुर में चल रही हिंसा को रोकने में नाकाम रहे राज्य के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को अपनी कुर्सी छोड़ना पड़ सकती है। वजह ये है कि हिंसा के खिलाफ कई विधायकों ने दिल्ली में ढेरा डाला हुआ है। इसी बीच अटकलें हैं कि मणिपुर में नेतृत्व परिवर्तन भी हो सकता है। एन बीरेन सिंह सरकार के ही विधायकों के दिल्ली पहुंचने के बाद इस तरह के कयास और भी तेज हो गए हैं। हालांकि सीएम बीरेन सिंह ने इस तरह के कयासों को कोरी अफवाह बताते हुए खारिज किया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अपने निजी स्वार्थ के चलते इस तरह की अफवाह फैला रहे हैं। हालांकि उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि उनके कुछ विधायक दिल्ली पहुंचे हैं। उनका दावा है कि मणिपुर में जातीय हिंसा के समाधान के लिए वह बीजेपी केंद्रीय नेतृत्व के नेताओं से मुलाकात करने गए हैं।

मणिपुर के एक मंत्री ने ही दावा किया था कि पिछले साल जून में मुख्यमंत्री ने लगभग इस्तीफा दे ही दिया था। वह अपना त्यागपत्र लेकर राजभवन पहुंच गए थे। लेकिन तभी उनके आवास के बाहर उनके समर्थन में महिलाओं ने मानव श्रृंखला बनाई। इसके बाद उन्होंने फैसला बदल लिया। बताया गया कि उनका त्यागपत्र दो मंत्रियों ने छीन लिया और फाड़ दिया। वे चाहते थे कि बीरेन सिंह मुख्यमंत्री बने रहें। बता दें कि मणिपुर की हिंसा में अब तक 200 से ज्यादा की मौत हो गई है। वहीं 50 हजार लोगों को घर बार छोड़ना पड़ा। कुछ दिन पहले रिपोर्ट आई थी कि मणिपुर सरकार में सहयोगी नागा पीपल्स फ्रंट, नेशनल पीपल्स पार्टी और जेडीयू मुख्यमंत्री पर इस्तीफे का दबाव बना रहे हैं। खबरों के मुताबिक बीजेपी नेतृत्व के इस बात कि लिए मनाने के प्रयास कई बार हो चुके हैं कि एन बीरेन सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटाया जाए और नया मुख्यमंत्री बनाया जाए। 2017 में वह मणिपुर के मुख्यमंत्री बने थे। वहीं पिछले साल 3 मई को मणिपुर में जातीय हिंसा शुरू हुई।

राज्यपाल बोस ने ममता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया

कोलकाता ।(एजेंसी)

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया है। सूत्र ने बताया कि इसके पहले ममता बनर्जी ने कहा था कि महिलाओं ने शिकायत की थी कि वे राजभवन में होने वाली गतिविधियों के कारण वहां जाने से डरती हैं। राज्यपाल बोस ने ममता की टिप्पणियों की आलोचना कर कहा कि जनप्रतिनिधियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे गलत और बदनामी वाली धारणा न बनाए।

सूत्र ने कहा कि बंगाल के राज्यपाल ने भी इसी तरह की टिप्पणी करने के लिए कुछ टीएमसी नेताओं के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। सूत्र ने बताया, राज्यपाल बोस ने कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख कर मुख्यमंत्री ममता और उनकी पार्टी के नेताओं के खिलाफ उनकी टिप्पणियों के लिए मानहानि का मुकदमा दायर किया।

2 मई को, राजभवन की एक संविदा महिला कर्मचारी ने बोस पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया था, जिसके बाद कोलकाता पुलिस ने भी जांच शुरू की थी।

इस बारे में टीएमसी की राज्यसभा सांसद डोला सेन ने कहा कि वह पार्टी नेतृत्व से चर्चा किए बिना इस मामले पर टिप्पणी नहीं कर पाएगी। उन्होंने कहा कि वास्तव में क्या हुआ, यह जानने के लिए मुझे अपनी पार्टी के नेतृत्व से बात करनी होगी। सेन ने कहा, यह काफी संवेदनशील मामला है।

वहीं वरिष्ठ भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने कहा कि बोस ने सही फैसला लिया है। उन्हें यह फैसला बहुत पहले ही ले लेना चाहिए था। मैं इसके लिए उनका पूरा समर्थन करता हूं। वरिष्ठ माकपा नेता सुजान चक्रवर्ती ने कहा कि बोस और बनर्जी के बीच टकराव से राज्य को कोई मदद नहीं मिल रही है। चक्रवर्ती ने कहा, यह वास्तव में हमें नुकसान पहुंचा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पेपर लीक मामला: सीबीआई आरोपियों से पूछताछ करने बेउर जेल पहुंची

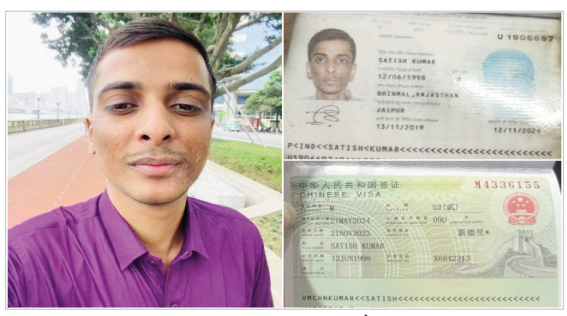

पटना। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने 13 आरोपियों से पूछताछ की है। पूछताछ के लिए सीबीआई बेउर जेल पहुंची। सभी आरोपियों के वकील भी बेउर जेल पहुंचे गए। आरोपियों के वकील की मौजूदगी में ही पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि नीट पेपर लीक मामले में यह अब तक की सबसे बड़ी पूछताछ है। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई देश के कई राज्यों में जाकर संदिग्ध लोगों से पूछताछ कर रही है।

अब स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कूलों में शुरु होंगी प्राइमरी स्तर की कक्षाएं

जयपुर। राजस्थान में स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कूलों में अब प्राइमरी स्तर की कक्षाएं शुरु की जाएंगी। सीएम भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और सीएम भजनलाल ने स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल स्कूलों में प्राइमरी स्तर की कक्षाएं शुरु करने के लिए करीब 10 करोड़ रूपए के वित्तीय प्रावधान को मंजूरी दे दी है साथ ही अध्यापन कार्य के लिए तृतीय श्रेणी अध्यापक के तीन अतिरिक्त पद हरेक स्कूल के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। इन पदों पर शिक्षा विभाग में कार्यरत अध्यापकों की इंटरव्यू लेकर प्रतिनियुक्ति की जाएगी। सीएम भजनलाल के इस फैसले से राज्य में संचालित हो रहे 134 मॉडल स्कूलों में प्राइमरी कक्षाओं के लिए निर्मित भवनों में अब शिक्षण कार्य सुचारू रूप से हो सकेगा।

बिजली गिरने से महिला समेत चार की मौत, मवेशी भी हुए शिकार

फतेहपुर। यूपी के फतेहपुर जिले में आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई। वहीं चार बकरियां भी इसका शिकार हुईं हैं। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक किशनपुर थाना क्षेत्र के झुरहापुर मजरे गढ़ा गांव निवासी रामकृपाल की पत्नी कैरी देवी (50) बकरियां को चराने गई थी। इस दौरान अचानक तेज हवाओं के साथ बारिश होने लगी। बारिश से बचने महिला पेड़ के नीचे छिप गई, तभी गरज और चमक के साथ उस पर बिजली गिर गई। इस हादसे में महिला की झुलसने से मौके पर ही मौत हो गई। वहीं खेतों में चर रहीं चार बकरियां भी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। उधर, गाजीपुर थाना क्षेत्र के देवलान गांव निवासी कैलाश पुत्र रामपाल (48) और 42 वर्षीय सीताराम अपने-अपने मवेशियों को लेकर चराने जंगल गए थे। इस बीच आकाशीय बिजली गिरने से दोनों की दर्दनाक मौत हो गई। एक साथ दो मौतों से परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं गांव में मातम छा गया। इसी तरह सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के अस्तुपुर गांव में अचानक बारिश के बीच गाज गिरने से एक 16 वर्षीय किशोरी की भी मौत हो गई। बिजली के कहर के शिकार इन सभी शवों को संबंधित थाना क्षेत्रों की पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बंगाल एसटीएफ ने चेन्नई से किया अनवर शेख को गिरफ्तार

चेन्नई । पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने चेन्नई से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिस पर बांग्लादेश के प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन शहादत-ए-अल-हिकमा से जुड़े होने का आरोप है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान अनवर शेख के रूप में हुई है। वह चेन्नई में राजमिस्त्री का काम करता था। पुलिस अधिकारी ने बताया, हम अनवर को कोलकाता वापस ला रहे हैं। उन्होंने बताया कि शेख का नाम उसी संगठन के गिरफ्तार किए गए पांच लोगों से पूछताछ करने के बाद सामने आया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में कंप्यूटर विज्ञान का एक छात्र भी शामिल है। अधिकारी ने बताया कि इन पांचों को पिछले सप्ताह पश्चिम बंगाल में गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार किए गए सभी लोग आतंकी संगठन के लिए युवाओं को शामिल कर रहे थे।

केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ...आप का हल्लाबोल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ शनिवार को भाजपा कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रही है। पार्टी के सभी सांसद, विधायक, पार्षद और कार्यकर्ता दोपहर 12 बजे बीजेपी कार्यालय तक मार्च कर रहे है। विरोध प्रदर्शन के लिए आप कार्यालय के बाहर पोस्टर लगाया गया था जिसमें लिखा था, ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग बंद करें। यह विरोध तब हुआ है, जब सीबीआई शनिवार को केजरीवाल को अदालत में पेश करने वाली है, क्योंकि उनकी तीन दिन की हिरासत खत्म हो रही है। शराब नीति मामले में केंद्रीय एजेंसी द्वारा गिरफ्तार किए गए केजरीवाल शाम 7 बजे राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश होने वाले है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कथित संलिप्तता के सिलसिले में केजरीवाल तिहाड़ जेल में बंद हैं। सीबीआई भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रही है, वहीं ईडी कथित मनी लॉन्ड्रिंग पहलू की जांच कर रही है।

राजस्थान के कारोबारी का चीन में अपहरण....फिर मर्डर

किडनैपर्स ने 1 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी

जालौर । (एजेंसी)

राजस्थान के जालौर जिले के बिजनेसमैन का चीन में अपहरण हुआ है। किडनैपर्स ने बिजनेसमैन को छोड़ने की एवज में 1 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी। फिरौती की रकम नहीं मिलने पर उसकी हत्या कर दी गई। चीन में हत्या का शिकार का हुआ यह बिजनेसमैन मुंबई में मोबाइल का कारोबार करता था। इसकारण बिजनेस के सिलसिले में चीन आता-जाता रहता था। अब परिजन उसके शव को भारत लाए जाने का इंतजार कर रहे हैं। इसके लिए वे जालौर-सिरोही सांसद लुंबाराम चौधरी से संपर्क कर विदेश मंत्रालय के माध्यम से कानूनी प्रक्रिया में जुटे हुए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार कारोबारी की हत्या की यह वारदात आठ दिन पहले हुई थी। हत्या का शिकार हुआ कारोबारी सतीश कुमार (26) मुंबई में मोबाइल का कारोबार करता था। उसका परिवार भीनमाल में कृषि फार्म में रहता है। सतीश चीन से सामान खरीदकर मुंबई में होलसेल में दुकानदारों को बेचता था। इसके लिए उसका महीने या दो महीने चीन आना जाना लगा रहता था। वह जून के महीने में भी चीन गया था। वहां बीते 21 जून को उसका अपहरण कर लिया गया।

सतीश के परिजनों के मुताबिक किडनैपर्स ने उससे 1 करोड़ रुपये की फिरौती डिमांड की। 24 जून तक सतीश कुमार का मोबाइल चालू था। वह परिजनों को खुद के अपहरण और अपहरणकर्ताओं की मांग के बारे में बता रहा था। फिरौती की रकम मुंबई के एक व्यापारी को तक पहुंचाने के लिए कहा गया था। उसके बाद उसका मोबाइल फोन बंद हो गया। 24 जून को उसके भाई के मोबाइल पर सूचना दी गई की सतीश कुमार नाम के शख्स की चीन के ग्वांगजो सिटी में लाश मिली है। यह सुनकर सतीश के परिवार में कोहराम मच गया। सतीश कुमार के तीन रिश्तेदार चीन जाने के दिल्ली पहुंच गए। वहां उन्होंने सांसद चौधरी से उनके आवास पर मुलाकात कर घटना के बारे में बताया।

सांसद ने मामले को गंभीरता से लेकर तीनों रिश्तेदारों को चीन का वीजा आवेदन करवाकर विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से संपर्क साधा। विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र मेल कर चीन जाने का वीजा और बॉडी भारत लाने के लिए कानूनी प्रक्रिया में सहयोग करने की अपील की है। सतीश के परिजन मोहनलाल माली ने बताया कि सतीश कुमार के अपहरण और हत्या में चीन के साथ साथ कुछ भारतीय लोगों की मिलीभगत की आशंका है।

भाजपा की महिला नेत्री को निर्वस्त्र कर पीटा और बाल पकड़कर घसीटा

कोलकाता। (एजेंसी)

पश्चिम बंगाल में एक बार फिर सियासी बवाल मचा हुआ है। कूच बिहार में एक 32 साल की महिला को निर्वस्त्र करके पिटाई करने के मामले में सियासी बवाल शुरू हो गया है। बीजेपी का दावा है कि पीड़िता पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चे की उपाध्यक्ष है। बीजेपी ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को पत्र लिखकर कहा है कि राज्य में अपनी टीम भेजकर घटना की जांच करवाई जाए। वहीं टीएमसी ने बीजेपी पर संकीर्ण राजनीति करने का आरोप लगाया है। पुलिस का कहना है कि गलत जानकारी देकर मामले को सांप्रदायिक बनाने की कोशिश की जा रही है। जबकि यह एक पारिवारिक विवाद था। पीड़िता के पिता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में कहा गया है कि लंबे समय से चले आ रहे पारिवारिक विवाद की वजह से पड़ोसियों ने उनकी बेटी पर हमला किया। पड़ोसी से लंबे समय से विवाद चल रहा था। पीड़िता के पिता ने शिकायत में कहा, उन लोगों ने मेरी बेटी को गाली देना शुरू किया। इसके बाद बाल पकड़कर घसीटा और निर्वस्त्र करके पिटाई की। इसके बाद उसे धमकी देकर सड़क पर छोड़ दिया। उन्होंने अपनी शिकायत में किसी राजनीतिक दल का नाम नहीं लिया है। हालांकि बाद में उन्होंने पत्रकारों से कहा कि बीजेपी कार्यकर्ता होने की वजह से उनकी बेटी पर हमला किया गया। वहीं बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा, एक सभ्य समाज में इस तरह की घटना कलंक की तरह है। स्थानीय पुलिस ने शिकायत दर्ज करने से ही इनकार कर दिया। बाद में एसपी के दखल के बाद शिकायत दर्ज की गई। पुलिस ने पीड़िता के ही एक रिश्तेदार को गिरफ्तार कर लिया जिसका नाम एफआईआर में भी नहीं था। वहीं राज्य में महिला और बाल विकास मंत्री शशि पांजा ने कहा कि बीजेपी संकीर्ण राजनीति पर उतर आई है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई